Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, राजस्थान, पंजाब, बहराइच, रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वेलकम इंडिया

RNI NO. UPHIN/2018/76874
नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 211 | रविवार, 09 अगस्त-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

पीएम मोदी ने आईआईटी के छात्रों को दिया 'विकसित भारत' का विजन

जिंदगी की परीक्षा में सब कुछ आउट ऑफ सिलेबस होता है: पीएम मोदी

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली के दीक्षांत समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस तरह आज आपके परिवार वाले गर्व महसूस कर रहे हैं, वैसे ही मुझे भी आप सभी पर गर्व है। उन्होंने कहा कि कई छात्रों को उनकी उपलब्धियों के लिए मेडल मिले हैं। मैं आप सभी को दिल से बधाई देता हूँ। हालाँकि, अगर उनमें कुछ और लड़कियाँ भी होतीं तो और भी अच्छा होता। माफ कीजिए। सिर्फ.एक या दो ही क्यों? और भी होनी चाहिए थीं।

इसके साथ ही मोदी ने कहा कि आज IIT दिल्ली में अकसे जुड़े कुछ नए पहल भी शुरू हुए हैं। मैं इसके लिए भी आप सबको बहुत बहुत शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि आज आप सभी और सारे छात्रों इस कार्यक्रम में उपस्थित हैं। लेकिन मन के किसी कोने में कुछ और चल रहा होगा। हर छात्र के मन में आने वाले कल की अपनी-अपनी तस्वीर होगी। कई छात्र अपनी पहली सैलरी का इंतजार कर रहे होंगे, कोई नए शहर में नई शुरूआत की तैयारी में होगा, कई साथी अपने नए startup का सपना देख रहे होंगे, किसी ने अगले प्रतियोगी परीक्षा का लक्ष्य बनाया होगा। हर किसी का रास्ता अलग है, हर किसी का सपना अलग है। लेकिन इन सबके बाद भी एक एहसास ऐसा है जो आप सभी के मन में एक सा होगा।

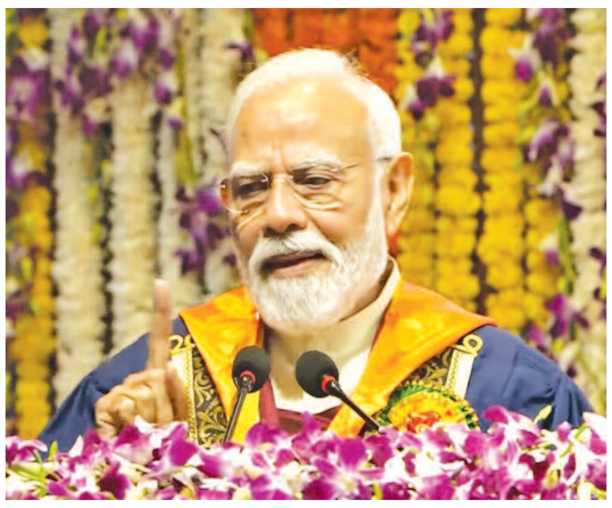

मोदी ने कहा कि वो दिन याद करिए जब आपका IIT दिल्ली में पहला दिन था और एक आज का दिन है। आप सोच रहे होंगे कि अभी कल की ही तो बात है, जब अभिविन्यास हुआ था और अब ये दीक्षांत समारोह का समय भी आ गया। Orientation से Convocation की इस यात्रा का आपको भरपूर satisfaction भी होगा। और साथ ही आप सभी में जीवन के एक नए chapter की शुरूआत का उत्साह भी होगा। उन्होंने कहा कि आज दुनिया तेजी से बदल रही है। कोई नहीं कह सकता कि आज से 20-30 साल बाद क्या होगा। लेकिन यह बदलती दुनिया और टेक्नोलॉजी नए मौके लाएगी, और जो सीखेगा, वही जीतेगा। जो लोग नई स्थितियों और चुनौतियों के लिए तैयार रहते हैं, वे चुनौतियों को मौकों में बदल देते हैं। यही बात आपने IIT दिल्ली में सीखी है। लेकिन जब-जब बदलाव का दौर आता है, तब-तब चुनौतियां भी आती हैं और नए अवसर भी पैदा होते हैं। दुनिया बदलेगी, technology भी बदलेगी, industries भी बदलेंगी, professions भी बदलेंगे। लेकिन इन सबके बीच जो सीखेगा, वो जीतेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन भावुक पलों में मैं एक बात आपसे जरूर कहूंगा। जब जब जीवन आपको पीछे मुड़कर देखने का अवसर देगा, तो ये कैंपस लाइफ, आपके दोस्त, टीचर्स, मेंटर्स और सपोर्ट स्टाफ जो आपका परिवार बन गए, आपके professors जिन्होंने आप जैसी प्रतिभाओं को गढ़ने की जिम्मेदारी उठाई और आपका ये Insti जो धीरे-धीरे आपका घर बन गया। आप अपनी हर success में इन सबको याद करेंगे, इन सबके लिए thankful होंगे। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि आपके मन के किसी कोने में कुछ और भी चल रहा हो। मैं बाबा बागेश्वर तो नहीं हूँ, लेकिन निश्चित रूप से हर छात्र के मन में कुछ न कुछ विचार जरूर चल रहे होंगे। आप में से हर किसी के मन में भविष्य को लेकर कोई न कोई सोच या विजन जरूर होगा। उन्होंने कहा कि जब भी आपको कोई चुनौती बड़ी लगे, तो घबराएं नहीं। उसे छोटे-छोटे हिस्सों में बांट लें। याद कीजिए जब सिमुलेशन में समाधान खोजने में घंटों या दिनों का समय लग जाता था, लेकिन फिर आपने समस्या को हल किया और कुछ नया सामने लाए। इसी तरह, जीवन में भी समस्याएं आएंगी, लेकिन उनके साथ-साथ नए अवसर भी आएंगे। बस आपको सतर्क रहना होगा।

उद्धव ठाकरे का पीएम पर निशाना: बोले- युवाओं से मिलने का समय नहीं, गद्दारों से मुलाकात के लिए वक्त है

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने अपनी पार्टी छोड़कर एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हुए सांसदों से प्रधानमंत्री की मुलाकात को लेकर सवाल उठाए। ठाकरे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री के पास प्रदर्शन कर रहे युवाओं से मिलने का समय नहीं है, लेकिन 'गद्दारों' से मुलाकात के लिए वक्त है। एक दिन पहले प्रधानमंत्री मोदी ने राजग के घटक दलों के सांसदों के साथ नाश्ते पर बैठक की थी। इसके बाद उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उनकी पार्टी के छह नवनिर्वाचित सांसदों ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की। मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ठाकरे ने सवाल किया कि क्या मोदी और शिवसेना (यूबीटी) छोड़ने वाले छह सांसदों के बीच हुई मुलाकात का

मकसद सुप्रीम कोर्ट को 'डराना' था। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में यह मुलाकात हुई है, जब ठाकरे के नेतृत्व वाली पार्टी की उस याचिका पर सुनवाई चल रही है, जिसमें निर्वाचन आयोग के शिंदे गुट को 'असली शिवसेना' मानने के फैसले को चुनौती दी गई है। ठाकरे ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला संविधान के आधार पर होगा। उन्होंने कहा कि उन्हें संविधान पर भरोसा है। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री के पास युवाओं से मिलने का समय नहीं है, लेकिन गद्दारों से मिलने का समय है।

परिसीमन पर टीवीके की बैठक का डीएमके ने किया बहिष्कार, बोली- कावेरी मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। तमिलनाडु में परिसीमन को लेकर बुलाई गई TVK सरकार की सर्वदलीय बैठक का द्रविड़ मुनेत्र कझगम ने बहिष्कार कर दिया है। पार्टी का कहना है कि इस समय सबसे बड़ा मुद्दा कावेरी और मेकेदातु बांध है। ऐसे में परिसीमन पर बैठक बुलाना लोगों का ध्यान असली मुद्दे से हटाने की कोशिश है। DMK ने साफ कर दिया है कि वह TVK सरकार की बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में शामिल नहीं होगी। पार्टी की ओर से एम। के। कनिमोझी ने कहा कि परिसीमन पर पार्टी का रुख पहले से ही तय है। इस मुद्दे पर पहले हुई सर्वदलीय बैठकों में प्रस्ताव भी पारित किए जा चुके हैं, ऐसे में दोबारा नई बैठक बुलाने की कोई तुक समझ नहीं आती। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सभी दल पहले ही

अपना रुख बता चुके हैं तो फिर दोबारा बैठक क्यों बुलाई गई है। क्या सरकार चाहती है कि राजनीतिक दल अपना पहले वाला फैसला बदल दें?

DMK का आरोप है कि इस वक्त तमिलनाडु में कावेरी नदी के पानी और मेकेदाटू बांध के निर्माण को लेकर किसानों का प्रदर्शन जारी है। ऐसे समय पर सरकार को मेकेदातु बांध के खिलाफ रणनीति बनाने के लिए बैठक बुलानी चाहिए थी। इसकी जगह परिसीमन के नाम पर बैठक रखना केवल एक सियासी ड्रामा है। इसी वजह से DMK ने इस बैठक से पूरी तरह दूर रहने का फैसला किया है। वहीं TVK ने उन मांगों को खारिज किया था, जिन पर तमिलनाडु के सभी राजनीतिक दल एकमत थे। कनिमोझी के मुताबिक, अगर किसानों की भलाई की सच में फिक्र है, तो राज्य सरकार के प्रतिनिधियों और सांसदों को तुरंत दिल्ली भेजा जाना चाहिए।

मेरठ में सीएम योगी ने कांवड़ियों पर बरसाए फूल

4 से 5 करोड़ शिव भक्तों के आने की उम्मीद

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मेरठ में कांवड़ियों और भगवान शिव के भक्तों पर फूलों की पंखुड़ियां बरसाई और चल रही कांवड़ यात्रा की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इससे पहले दिन में, मुख्यमंत्री योगी ने कांवड़ यात्रा के लिए की गई तैयारियों का जायजा लेने के लिए हेलीकॉप्टर से मेरठ इलाके का हवाई सर्वेक्षण किया। मेरठ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान शिव के लाखों भक्त कांवड़ यात्रा में शामिल हो रहे हैं और 'जलाभिषेक' करने के लिए पवित्र शिव मंदिरों की ओर जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सावन शिवरात्रि तक कांवड़ यात्रा में लगभग 4 से 4.5 करोड़ श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है और भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उट योगी ने कहा कि सावन के महीने में पवित्र कांवड़ यात्रा चल रही है। भगवान शिव के भक्त, यानी कांवड़िए, हरिद्वार में 'हर की पौड़ी' से पवित्र जल लेकर अपनी मंज़िल की ओर बढ़ रहे हैं। मेरा मानना है कि सावन शिवरात्रि तक, 4 से 4.5 करोड़ भक्त हरिद्वार से पवित्र जल लेकर शिव के पवित्र मंदिरों में जलाभिषेक करेंगे। हम अभी मेरठ पहुँचे हैं, जहाँ मुझे कांवड़ियों पर फूलों की पंखुड़ियाँ बरसाने का मौका मिला।

उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार की ओर से, मैं उन सभी कांवड़ियों का स्वागत और अभिनंदन करता हूँ जो इतनी गहरी श्रद्धा और उत्साह के साथ इस पवित्र यात्रा में शामिल होने आए हैं। हम उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने और उनका गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अपनी भक्ति के अलावा, वे समर्पण, सामाजिक एकता, सामाजिक समानता और राष्ट्रीय अखंडता की मिसाल पेश कर रहे हैं। जाति, प्रांत और क्षेत्र की सीमाओं से ऊपर उठकर, वे भगवान शिव को समर्पित हर साँस के साथ यह यात्रा कर रहे हैं।

सावन के महीने में होने वाली सालाना कांवड़ यात्रा देश भर से लाखों श्रद्धालुओं को अपनी ओर खींचती है। यह यात्रा भगवान शिव को पवित्र जल चढ़ाने के लिए की जाने वाली एक आध्यात्मिक यात्रा है, जो लोगों की गहरी आस्था और भक्ति को दशार्ती है। हिंदू धर्म में श्रावण (या सावन) का बहुत महत्व है। माना जाता है कि श्रावण का महीना भगवान शिव को सबसे प्रिय है। इस महीने में शिव की पूजा करने से सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है। इस साल, सावन का पवित्र महीना 30 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त को समाप्त होगा।

डीपफेक और फर्जी खबरों पर नकेल कसने के लिए केंद्र की मेटा को दो टूक

नई दिल्ली(वेलकम इंडिया)। देश में तेजी से बढ़ रहे डीपफेक, झूठे प्रचार और अजब–गजब रूप से बदले गए आपत्तिजनक वीडियो–तस्वीरें ऑनलाइन पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने सख्त रुख अपना लिया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने शनिवार को मेटा के अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की और उन्हें अपने प्लेटफॉर्म्स के एल्गोरिदम में तुरंत सुधार करने का निर्देश दिया है। मामले में सरकार का साफ कहना है कि मेटा को इस समस्या से निपटने के लिए एक स्पष्ट कम्प्लायंस रोडमैप सौंपनी होगी। सरकार ने मेटा के सामने सबसे बड़ी और अहम मांग के तौर कार्रवाई में तेजी की बात पर जोर दिया। सरकार का कहना है कि सरकारी एजेंसियों द्वारा हटाए जाने के लिए भेजे गए अनुरोधों पर अब बिना देर किए तुरंत एक्शन लिया जाना चाहिए। इसके अलावा फर्जी खबरों, डीपफेक और प्रोपगैंडा सामग्री को खुद–ब–खुद वायरल होने से रोकने के लिए एल्गोरिदम में जरूरी बदलाव किए जाएं, ताकि ऐसी चीजें ज्यादा लोगों तक न पहुंच सकें। सरकार चाहती है कि मेटा और अधिक सख्ती से एआई–जनरेटेड फर्जी तस्वीरों और वीडियो की पहचान करे और उन्हें तुरंत डिलीट करे।

महिला आरक्षण पर राहुल गांधी का किरेन रिजिजू से सीधा सवाल: तीन साल बाद भी क्यों नहीं लागू हुआ कानून?

वेलकम इंडिया नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू की उस चुनौती का जवाब दिया, जिसमें उन्होंने कांग्रेस से 'महिला आरक्षण विधेयक को बिना शर्त समर्थन' देने को कहा था।

राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से सवाल किया कि आखिर इस कानून को लागू करने की प्रक्रिया को लोकसभा में परिसीमन की प्रक्रिया से क्यों जोड़ा जा रहा है।

राहुल गांधी ने महिला आरक्षण कानून को लेकर क्या कहा?

कांग्रेस का रुख दोहराते हुए राहुल गांधी ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023' को बिना किसी शर्त के लागू करने की मांग की। गांधी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा,' रिजिजू, संसदीय कार्य मंत्री के तौर पर आपसे बेहतर कौन जानता है कि महिला आरक्षण विधेयक, 2023 पहले ही कांग्रेस के पूरे समर्थन से सर्वसम्मति से पारित हो चुका है। सवाल यह है कि तीन साल बाद भी इसे लागू क्यों नहीं किया गया है और अब आप इसे बेवजह परिसीमन से क्यों जोड़ना चाहते हैं? 2023 का कानून लागू करें। बिना किसी शर्त के।'

रिजिजू ने कांग्रेस को किस बात की चुनौती दी थी?

इससे पहले शनिवार को राहुल गांधी द्वारा महिलाओं की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बात किए जाने के बाद केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस को महिला आरक्षण विधेयक का बिना शर्त समर्थन करने की चुनौती दी थी।

राहुल गांधी ने अपने वीडियो में कहा था कि देश की राजनीति का मकसद 'लोगों को यह समझाना होना चाहिए कि महिलाओं की अभिव्यक्ति के बिना हमारा देश अधूरा और पिछड़ा हुआ है।' रिजिजू ने राहुल गांधी के इस बयान को कांग्रेस की ओर से एक सकारात्मक संदेश बताया।

राहुल गांधी के बयान पर रिजिजू ने क्या प्रतिक्रिया दी?

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, 'यह कांग्रेस पार्टी की ओर से एक सकारात्मक संदेश लगता है। श्री राहुल गांधी जी की महिलाओं के प्रति सोच में बदलाव साफ दिख रहा है। अब, मुझे उम्मीद है कि कांग्रेस पार्टी महिला आरक्षण विधेयक का बिना शर्त समर्थन करेगी।'

महिला आरक्षण पर कांग्रेस और विपक्ष का क्या रुख है?

कांग्रेस और विपक्षी दलों ने महिला आरक्षण विधेयक का समर्थन किया है, लेकिन वे परिसीमन की प्रक्रिया का विरोध करते रहे हैं। इसी प्रक्रिया के तहत संसद के निचले सदन यानी लोकसभा में सीटों की संख्या बढ़ाए जाने का प्रस्ताव है।

विपक्षी दलों की मांग रही है कि महिला आरक्षण को परिसीमन की प्रक्रिया से अलग किया जाए, ताकि महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने की शर्त से न जोड़ा जाए।

देश के प्रख्यात उद्योगपति
स्व.राय बहादुर गूजरमल मोदी जी 'पद्म भूषण'
के 124 वें जन्मदिवस पर
हम सब उन्हें अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

स्व.राय बहादुर गूजरमल मोदी 'पद्म भूषण'
1902 – 1976
समस्त प्रबंधक एवं कर्मचारीगण
मोदी इण्डस्ट्रीज लि.
मोदीनगर

संपादक की कलम से

भारत की आत्मा एवं प्रकृति के संरक्षक हैं आदिवासी

ललित शर्मा
संपादक

विश्व आदिवासी दिवस केवल एक अंतरराष्ट्रीय आयोजनभर नहीं है, बल्कि यह उस मूल चेतना का अभिनंदन है जिसने मानव सभ्यता को प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीने की कला सिखाई। भारत के आदिवासी समुदाय केवल जनसंख्या का एक वर्ग नहीं हैं, बल्कि वे इस राष्ट्र की सांस्कृतिक स्मृति, पर्यावरणीय संतुलन, आध्यात्मिक संवेदना और स्वाधीनता चेतना के जीवंत प्रतिनिधि हैं। यदि विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और विश्वगुरु भारत की संकल्पना को वास्तविक अर्थों में साकार करना है, तो आदिवासी समाज को विकास का विषय नहीं, बल्कि विकास का सहभागी और नेतृत्वकर्ता बनाना होगा। भारत की विकास यात्रा तब तक पूर्ण नहीं कही जा सकती जब तक जल, जंगल और जमीन से जुड़ा वह समाज, जिसने हजारों वर्षों से प्रकृति की रक्षा की है, सम्मान और समान अवसर के साथ राष्ट्रीय प्रगति का अभिन्न भाग न बने। आदिवासी समाज ने कभी प्रकृति का दोहन नहीं किया, बल्कि उसका संरक्षण किया। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संकट और जैव विविधता के संरक्षण की चिंता कर रही है, तब आदिवासी जीवन–दर्शन आधुनिक विश्व के लिए एक वैकल्पिक विकास मॉडल प्रस्तुत करता है। आदिवासी प्रकृति के पुत्र और संस्कृति के प्रहरी है। 'जो प्रकृति से जुड़ा है, वही मनुष्यत्व का संरक्षक है'–यह वाक्य आदिवासी समाज पर अक्षरशः लागू होता है। आदिवासी शब्द मात्र एक सामाजिक पहचान नहीं, बल्कि एक दर्शन है, सहजता, सामूहिकता, संतुलन और सह–अस्तित्व का दर्शन। करीब 90 प्रतिशत खनिज सम्पदा, वनौषधियां और जैव विविधता इन्हीं के क्षेत्रों में विद्यमान है। उनका जीवन सभ्यता के केंद्र से नहीं, बल्कि संवेदना के मूल से संचालित होता है। वे भले ही 'वनवासी' कहलाए गए, परंतु उनका जीवनदर्शन हमें शहरीकरण के आडंबर से बाहर निकालकर स्वाभाविक जीवन की राह दिखाता है। नए भारत में विकास का पर्याय यदि केवल बहुराष्ट्रीय निवेश, चकाचौंध और स्मार्ट सिटी बन गया है, तो आदिवासी समाज उसके विस्थापित मूल्य हैं। जल–जंगल–जमीन के नाम पर किए गए सौदे, खनिज लूट, धार्मिक कन्वर्जन, सांस्कृतिक विघटन और जबरन भूमि अधिग्रहण की घटनाएं केवल उनकी आर्थिक दशा ही नहीं बिगाड़ती, बल्कि उनकी पहचान, भाषा और परंपरा को भी निगलती जा रही हैं। आज आदिवासी समाज ऋण, अशिक्षा, पलायन, अस्वास्थ्यकर जीवन, बेरोजगारी जैसी समस्याओं से ग्रस्त है। तथाकथित विकास ने उन्हें 'पराया' बना दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस परायेपन का दूर करने के लिये पिछले वर्षों में जनजातीय समाज के सम्मान और सशक्तीकरण को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में स्थान दिया है। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय हो, जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, डिजिटल कनेक्टिविटी और कौशल विकास की योजनाओं का विस्तार हो, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों का व्यापक विस्तार हो, अथवा प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन जैसी पहलें–इन सबने यह स्पष्ट किया है कि नए भारत की विकासधारा में आदिवासी समाज को केंद्र में रखने का प्रयास किया जा रहा है। यह केवल योजनाओं का विस्तार नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दृष्टिकोण में परिवर्तन का संकेत है। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि किसी भी सरकारी योजना की सफलता तभी सुनिश्चित होती है, जब समाज के भीतर से ऐसे प्रेरक व्यक्तित्व सामने आएं जो सेवा, संस्कार और संगठन के माध्यम से परिवर्तन की चेतना जगाएं।

लज्जा नारी की सोलह श्रृंगार

उदय कशोर साह

कविता

लज्जा नारी की है सोलह श्रृंगार
भारतीय नारी की है ये संस्कार
लज्जाहीन नारी जग में बेकार
शर्म हया नारी की है चरित्र संसार

लज्जाविहिन नारी की हो तिरस्कार
शर्म से सजी नारी को मेरा नमस्कार
लज्जा से है तेरी आदर सत्कार
लज्जा है गहना शोभता है परिवार

शर्म हया है सभ्यता का एक आधार
लज्जा नारी की है आदर्श का द्वार
लज्जा है मयार्दा का तेरा संसार
लज्जा से उपजा है तेरा ही प्यार

लज्जा से है तेरा परिजनों का ठार
लज्जा से पैदा होता है सुविचार
लज्जा से खानदानी का है सरोकार
लज्जा है आँचल लज्जा है जनाधार

लज्जा की साया लज्जा है घर संसार
निर्लज्जता से उपजे है कुविचार
निर्लज्जता से उजड़ा है घर परिवार
भारतीय नारी की लज्जा है श्रृंगार

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

बेशर्मी, बेहयाई और बद्दुआओं के मिश्रण से बना होता है भ्रष्टाचार का कवच

एनके शर्मा
लेखक

भ्रष्टाचार केवल रिश्वत की वह रकम नहीं है जो किसी फाइल को आगे बढ़ाने के लिए मेज के नीचे से गुजरती है। भ्रष्टाचार उससे कहीं अधिक भयावह है। यह उस क्षण जन्म लेता है जब किसी पद पर बैठा व्यक्ति अपने अधिकार को जनसेवा नहीं, निजी कमाई का साधन समझने लगता है; जब कानून उसके लिए न्याय का विधान नहीं, बल्कि अपने स्वार्थ के अनुसार मोड़ने योग्य कागज बन जाता है; जब किसी गरीब की विवशता उसके लिए अवसर और किसी पीड़ित की आँखों का पानी उसके लिए महज एक प्रशासनिक बाधा बन जाता है।

भ्रष्टाचार का सबसे मजबूत किला धन से नहीं बनता। उसके चारों ओर एक अदृश्य कवच होता है–बेशर्मी, बेहयाई, राजनीतिक संरक्षण, प्रशासनिक मौन और उन असंख्य पीड़ितों की बद्दुआएँ, जिन्हें न्याय पाने के लिए दर-दर भटकना पड़ता है। यह कवच जितना मोटा होता जाता है, भ्रष्टाचारी उतना ही निर्भीक होता जाता है। उसे कानून का भय नहीं रहता, समाज की निंदा की चिंता नहीं रहती और अपने कृत्यों के नैतिक परिणामों की कोई बेचैनी नहीं रहती।

भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि अनेक स्थानों पर भ्रष्ट व्यक्ति अपराधी जैसा व्यवहार तक नहीं करता। वह अधिकारपूर्वक बैठता है, आदेश देता है, भाषण देता है, ईमानदारी का उपदेश देता है और कभी-कभी सम्मान और पुरस्कार भी प्राप्त करता है। दूसरी ओर, जिस नागरिक का काम नियमपूर्वक होना चाहिए, वही अपने अधिकार के लिए हाथ जोड़ता है, सिफारिश खोजता है और अंततः मजबूर होकर उस व्यवस्था के आगे झुक जाता है जिसे उसके लिए बनाया गया था। यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं है। यह लोकतांत्रिक आत्मा का अपमान है। एक गरीब किसान की जमीन का मामला वर्षों तक फाइलों में दबा रह सकता है। एक बुजुर्ग की पेंशन महीनों अटक सकती है। किसी विधवा को अपने अधिकार के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं। किसी व्यापारी को लाइसेंस या अनुमति के लिए अनावश्यक बाधाओं से गुजरना पड़ सकता है। किसी नागरिक को अपने वैध काम के लिए बार-बार कार्यालय बुलाया जा सकता है और अंततः उसे यह संकेत दिया जा सकता है कि नियमों से अधिक प्रभावी कोई दूसरा रास्ता है। हर बार एक नागरिक की जेब से केवल पैसा नहीं निकलता–उसका विश्वास निकलता है। और जब नागरिक का व्यवस्था से विश्वास उठता है, तब राष्ट्र की संस्थाएँ बाहर से खड़ी दिखाई देती हैं, लेकिन भीतर से खोखली होने लगती हैं।

भ्रष्टाचार की सबसे भयावह विशेषता यह है कि वह स्वयं को वैध दिखाने की कला सीख लेता है। फाइल पर हस्ताक्षर होते हैं। नोटशीट चलती है। आदेश निकलते हैं। मुहर लगती है। कागज पूरे होते हैं। लेकिन पर्दे के पीछे किसी की मजबूरी का मूल्य तय हो चुका होता है। कानून की भाषा में सब कुछ सही दिखाई दे सकता है, परंतु न्याय की आत्मा दम तोड़ चुकी होती है। यही वह जगह है जहाँ बेशर्मी भ्रष्टाचार का कवच बनती है। जब किसी व्यक्ति को यह भय न रहे कि उसके गलत काम से उसकी प्रतिष्ठा जाएगी, परिवार उसके आचरण पर प्रश्न करेगा, समाज उसे तिरस्कृत करेगा या संस्था उसे दंडित करेगी–तब भ्रष्टाचार के लिए सबसे अनुकूल वातावरण तैयार हो जाता है। और यदि उसके ऊपर राजनीतिक संरक्षण भी हो, नीचे अधीनस्थों की चुप्पी भी हो और आसपास लाभार्थियों का नेटवर्क भी हो, तो फिर वह स्वयं को कानून से ऊपर समझने लगता है। ऐसे व्यक्ति के लिए नागरिक शिकायतकर्ता नहीं, परेशानी है। पीड़ित नागरिक की अजी उसके लिए कागज है। आँसू उसके लिए भावुकता हैं। बद्दुआ उसके लिए अंधविश्वास है और संविधान–सिर्फ दीवार पर टंगा हुआ एक सुंदर दस्तावेज।

लेकिन इतिहास गवाह है कि किसी भी व्यवस्था की सबसे बड़ी भूल यही होती है कि वह जनता के मौन को जनता की कमजोरी समझ ले। जिस नागरिक ने आज चुप रहकर अन्याय सह लिया, उसकी चुप्पी को हमेशा के लिए सहमति समझ लेना सबसे खतरनाक भ्रम है। क्योंकि पीड़ा की भी एक सीमा होती है। अन्याय की भी एक स्मृति होती है। और बद्दुआ की भी एक सामाजिक शक्ति होती है। यहाँ बद्दुआ किसी अंधविश्वासी भय का प्रतीक नहीं, बल्कि उस नैतिक प्रतिफल का प्रतीक है जो अन्याय से जन्म लेता है। जिस अधिकारी के कारण किसी गरीब की बेटी की पढ़ाई रुक जाए, जिस भ्रष्ट तंत्र के कारण किसी परिवार का इलाज अटक जाए, जिस लालच के कारण किसी व्यक्ति की वर्षों की मेहनत बर्बाद हो जाए–उस अन्याय का हिसाब केवल सरकारी रिकॉर्ड में नहीं रहता। वह लोगों की स्मृति में दर्ज होता है। वह उनके बच्चों की बातचीत में जीवित रहता है। वह उनके विश्वास को प्रभावित करता है और धीरे-धीरे वही व्यवस्था अपने नागरिकों की नजरों में नैतिक अधिकार खो देती है।

भ्रष्टाचार की जड़ें इसलिए गहरी होती जाती हैं क्योंकि भ्रष्ट व्यक्ति अकेला नहीं होता। उसके चारों ओर एक पूरा मौन तंत्र विकसित हो जाता है। कोई देखता है और चुप रहता है। कोई जानता है और लाभ लेता है। कोई विरोध करना चाहता है लेकिन डरता है। कोई शिकायत करता है तो उसकी फाइल ही गायब हो जाती है। और कभी-कभी शिकायत की जाँच उसी तंत्र के हाथों सौंप दी जाती है जिसके विरुद्ध शिकायत होती है। फिर न्याय कहाँ से आएगा? यदि भ्रष्टाचार की शिकायत करने वाला नागरिक ही सबसे अधिक परेशान हो जाए, तो व्यवस्था भ्रष्टाचार से नहीं, शिकायत से लड़ रही होती है। यहीं से भ्रष्टाचार को संस्थागत सुरक्षा मिलती है। और जब भ्रष्टाचार संस्थागत हो जाए, तब ईमानदार व्यक्ति धीरे-धीरे व्यवस्था में असहज होने लगता है। वह सोचता है–'मैं अकेला क्या कर सकता हूँ?' यही वाक्य भ्रष्टाचारियों की सबसे बड़ी जीत है। क्योंकि भ्रष्टाचार को हमेशा हजारों भ्रष्ट लोगों की आवश्यकता नहीं होती। उसे केवल पर्याप्त संख्या में डरे हुए ईमानदार लोगों की आवश्यकता होती है। ईमानदार व्यक्ति का मौन भ्रष्टाचारी के आत्मविश्वास को बढ़ाता है। कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी का स्थानांतरण भ्रष्ट तंत्र को संदेश देता है। ईमानदार कर्मचारी का अपमान दूसरों को चेतावनी देता है। और भ्रष्ट व्यक्ति का बच निकलना अगली पीढ़ी के भ्रष्टाचारियों को प्रशिक्षण देता है।

इसलिए भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई केवल रिश्वतखोर को पकड़ने की लड़ाई नहीं है। यह उस पूरी संस्कृति के विरुद्ध लड़ाई है जहाँ गलत आदमी प्रभावशाली और सही आदमी असहाय दिखाई देने लगता है। हमें यह भी समझना होगा कि भ्रष्टाचार केवल सरकारी कार्यालयों में नहीं पलता। जहाँ भी शक्ति और संसाधनों पर नियंत्रण है, वहाँ भ्रष्टाचार का खतरा है–राजनीति में, प्रशासन में, ठेकों में, संस्थानों में, व्यवसाय में और कभी-कभी सामाजिक संगठनों तक में। लेकिन शासन-प्रशासन की जिम्मेदारी इसलिए अधिक है क्योंकि उसके पास कानूनी शक्ति होती है। जिसके हाथ में कानून लागू करने की शक्ति हो, उसके चरित्र की परीक्षा भी उतनी ही कठोर होनी चाहिए। क्योंकि एक सामान्य नागरिक का भ्रष्टाचार सीमित नुकसान कर सकता है, लेकिन सत्ता और पद से जुड़ा भ्रष्टाचार हजारों नागरिकों के अधिकार प्रभावित कर सकता है। इसीलिए भ्रष्टाचार के मामले में केवल कार्रवाई पर्याप्त नहीं। जवाबदेही चाहिए। कार्रवाई के साथ पारदर्शिता चाहिए। पारदर्शिता के साथ समयबद्धता चाहिए। समयबद्धता के साथ स्वतंत्र निगरानी चाहिए। और सबसे बढ़कर ऐसी व्यवस्था चाहिए जिसमें भ्रष्ट व्यक्ति को यह विश्वास न हो कि वह किसी प्रभावशाली व्यक्ति की छाया में सुरक्षित है। कानून का वास्तविक भय तभी पैदा होगा जब कानून की पहुँच पद, पैसा और पहचान से बड़ी दिखाई दे। अन्यथा भ्रष्टाचारियों के लिए कानून एक खतरा नहीं, एक प्रक्रिया भर रह जाएगा। सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि भ्रष्टाचार समाप्त क्यों नहीं हो रहा। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि भ्रष्टाचार करने वाले व्यक्ति को यह भरोसा मिलता कहाँ से है कि वह बच जाएगा? जब तक इस प्रश्न का उत्तर नहीं खोजा जाएगा, तब तक हर अभियान, हर नारा और हर कठोर घोषणा आधी-अधूरी रहेगी।

क्योंकि भ्रष्टाचार का असली ईंधन पैसा नहीं–दण्डहीनता है। जहाँ अपराध का दंड निश्चित नहीं होता, वहाँ अपराध का साहस बढ़ता है। जहाँ शिकायतकर्ता की सुरक्षा नहीं होती, वहाँ शिकायतें मरती हैं। जहाँ ईमानदार अधिकारी की संस्थागत रक्षा नहीं होती, वहाँ ईमानदारी अकेली पड़ जाती है। और जहाँ सत्ता स्वयं को जनता के प्रति जवाबदेह समझना बंद कर देती है, वहाँ लोकतंत्र धीरे-धीरे केवल चुनावों तक सीमित हो जाता है। आज आवश्यकता है कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध केवल भाषण न हों, बल्कि व्यवस्था के भीतर ऐसी संरचना बनाई जाए जहाँ प्रत्येक निर्णय का निशान हो, प्रत्येक अधिकार की सीमा हो, प्रत्येक विलंब का कारण दर्ज हो और प्रत्येक शिकायत की स्वतंत्र निगरानी हो।

मोल की दुल्हन पर चुप्पी, लव मैरिज पर पंचायत?

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

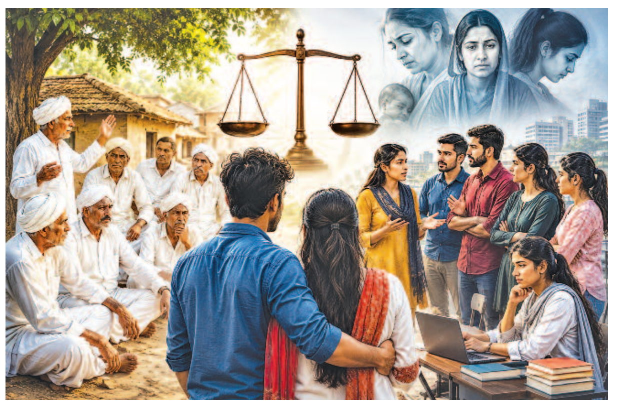

हरियाणा के जींद जिले में नौगामा खाप की महापंचायत द्वारा प्रेम विवाह करने वाले जोड़ों के 21 गांवों में प्रवेश पर रोक लगाने संबंधी कथित निर्णय ने एक बार फिर उस बहस को जीवित कर दिया है, जो समय-समय पर भारतीय समाज के सामने खड़ी होती रही है–क्या सामाजिक परंपराएं किसी बालिग नागरिक के संवैधानिक अधिकारों से ऊपर हो सकती हैं? यह विवाद केवल एक पंचायत या एक गांव तक सीमित नहीं है, बल्कि बदलते भारतीय समाज, लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक संरचनाओं के बीच संतुलन की चुनौती को भी सामने लाता है। खाप पंचायतों का इतिहास सदियों पुराना है। ग्रामीण समाज में उन्होंने विवाद निपटाने, सामाजिक अनुशासन बनाए रखने और सामुदायिक सहयोग को मजबूत करने का कार्य किया है। अनेक अवसरों पर जल संरक्षण, नशामुक्ति, सामाजिक समरसता और सामूहिक हितों से जुड़े निर्णयों में भी उनकी सकारात्मक भूमिका रही है। इसलिए उन्हें केवल नकारात्मक दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। किंतु जब कोई निर्णय संविधान द्वारा प्रदत्त व्यक्तिगत स्वतंत्रता को प्रभावित करता दिखाई देता है, तब उस पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। भारतीय संविधान प्रत्येक बालिग नागरिक को अपनी पसंद से जीवनसाथी चुनने का अधिकार देता है। सर्वोच्च न्यायालय भी अनेक निर्णयों में स्पष्ट कर चुका है कि दो वयस्कों का सहमति से किया गया विवाह कानून की दृष्टि में पूरी तरह वैध है। ऐसी स्थिति में किसी सामाजिक संस्था द्वारा ऐसे विवाहों पर रोक लगाने या सामाजिक बहिष्कार की घोषणा लोकतांत्रिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं मानी जा सकती। इस पूरे विवाद के बीच सोशल मीडिया पर वायरल एक युवती का वीडियो चर्चा का केंद्र बन गया। उसने एक ऐसा सवाल उठाया, जिसे केवल भावनात्मक प्रतिक्रिया कहकर टाला नहीं जा सकता। उसका प्रश्न था कि जब हरियाणा में वर्षों तक कन्या भ्रूण हत्या के कारण लड़कियों की संख्या कम होती रही और अनेक परिवार दूसरे राज्यों से महिलाओं को खरीदकर विवाह करने लगे, तब समाज की सामूहिक चेतना उतनी मुखर क्यों नहीं दिखाई दी? यदि सहमति से किया गया प्रेम विवाह सामाजिक संकट माना जाता है, तो मानव तस्करी जैसी अमानवीय प्रवृत्तियों पर समान कठोरता क्यों नहीं दिखाई जाती? यह प्रश्न केवल खाप पंचायतों के लिए नहीं, पूरे समाज के लिए आत्ममंथन का विषय है। दहेज प्रथा, घरेलू हिंसा, बाल विवाह, महिला उत्पीड़न, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और बेटियों के प्रति भेदभाव जैसे अनेक सामाजिक संकट आज भी हमारे सामने हैं। यदि समाज की सामूहिक शक्ति इन समस्याओं के समाधान में अधिक सक्रिय हो, तो उसका सकारात्मक प्रभाव कहीं अधिक व्यापक होगा। यह भी सत्य है कि हर प्रेम विवाह सफल नहीं होता। कई बार जल्दबाजी, अपरिपक्व निर्णय या पारिवारिक संवाद की कमी से रिश्तों में तनाव पैदा होता है। माता-पिता की चिंताएं भी कई बार वास्तविक होती हैं। इसलिए युवाओं की जिम्मेदारी है कि वे अपने निर्णय परिपक्वता, पारदर्शिता और परिवार के सम्मान को ध्यान में रखकर लें। संवाद हमेशा टकराव से बेहतर विकल्प होता है। उधर सामाजिक संस्थाओं को भी यह स्वीकार करना होगा कि बदलते समय में अधिकारों और स्वतंत्रताओं की नई समझ विकसित हुई है। परंपराओं का सम्मान आवश्यक है, किंतु वे तभी टिकाऊ होती हैं जब वे न्याय, समानता और मानव गरिमा के साथ सामंजस्य स्थापित करें। समाज की भूमिका भय पैदा करने की नहीं, विश्वास बनाने की होनी चाहिए। एक और महत्वपूर्ण पक्ष प्रतिनिधित्व का है। जिन निर्णयों का सबसे अधिक प्रभाव महिलाओं पर पड़ता है, उनमें महिलाओं की भागीदारी कितनी है? क्या सामाजिक निर्णय प्रक्रिया में सभी वर्गों की पर्याप्त सहभागिता सुनिश्चित है? लोकतांत्रिक समाज में यह प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना परंपरा और अधिकार का प्रश्न। आज का भारत तेजी से बदल रहा है। शिक्षा, रोजगार, तकनीक और संचार ने नई पीढ़ी की सोच को नया आयाम दिया है। ऐसे समय में सामाजिक संस्थाओं के सामने चुनौती यह है कि वे अपनी ऐतिहासिक भूमिका को बनाए रखते हुए संवैधानिक मूल्यों के साथ तालमेल बैठाएं। संवाद, समझ और सहमति का मार्ग ही समाज को आगे ले जा सकता है। दरअसल, यह विवाद प्रेम विवाह बनाम परंपरा का नहीं, बल्कि समाज की प्राथमिकताओं का है। यदि हम कन्या भ्रूण हत्या, दहेज, महिला सुरक्षा, शिक्षा और सामाजिक न्याय जैसे मुद्दों पर उतनी ही गंभीरता से एकजुट हों, जितनी व्यक्तिगत निर्णयों पर दिखाई देती है, तो समाज अधिक स्वस्थ और संतुलित बन सकता है। लोकतंत्र की शक्ति इसी में है कि वह परंपराओं का सम्मान करते हुए भी व्यक्ति की गरिमा और स्वतंत्रता की रक्षा करता है। इसलिए आवश्यकता किसी पक्ष की पूर्ण विजय की नहीं, बल्कि ऐसे सामाजिक संवाद की है जिसमें परंपरा भी सम्मानित रहे और संविधान भी सर्वोच्च बना रहे। यही संतुलन भविष्य के भारत की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

दवाएँ बनीं जीवन की उम्मीद, लेकिन कीमतें बनीं सबसे बड़ी दीवार

प्रो. आरके जैन
लेखक

समय ने ऐसी करवट ली है कि अब सबसे बड़ा डर बीमारी नहीं, बल्कि उसके उपचार का भारी बोझ बन चुका है। रोग का असर केवल शरीर तक सीमित रहता है, लेकिन दवाओं और इलाज का खर्च पूरे परिवार की आर्थिक शक्ति को भीतर तक चकनाचूर कर देता है। अस्पतालों की चौखट पर अब सिर्फ स्वास्थ्य की लड़ाई नहीं लड़ी जाती; वहाँ यह भी तय होता है कि किसकी आर्थिक क्षमता जीवन को बचा पाएगी और किसका जीवन पैसों की कमी के सामने हार मान लेगा। यही वह बिंदु है, जहाँ स्वास्थ्य व्यवस्था का वास्तविक स्वरूप निर्वस्त्र होकर सामने खड़ा दिखाई देता है।

भारतीय स्वास्थ्य परिदृश्य आज ऐसे दो संकटों का सामना कर रहा है, जिनकी प्रकृति भले अलग हो, पर दोनों एक ही नैतिक चुनौती को उजागर करते हैं। एक तरफ कैंसर है, जो अब न उम्र की सीमाओं में बँधा है, न किसी क्षेत्र या वर्ग तक सीमित। इसकी बढ़ती रफ्तार किसी मौन महामारी जैसी प्रतीत होती है। महानगरों से दूरस्थ गाँवों तक, युवाओं से बुजुर्गों तक, इसकी पकड़ निरंतर गहरी होती जा रही है। दूसरी तरफ दुर्लभ बीमारियाँ हैं, जो सुर्खियाँ नहीं बनतीं, लेकिन असंख्य परिवारों को वर्षों तक आर्थिक, मानसिक और सामाजिक संघर्ष में जकड़े रखती हैं। रोग दोनों अलग हैं, किंतु उनकी सबसे बड़ी त्रासदी एक ही है–जीवनरक्षक दवाएँ आज भी सामान्य नागरिक की पहुँच से बहुत दूर हैं। सरकारी नीतियों की सबसे बड़ी कसौटी संकट के समय सामने आती है, और यहीं उनका सबसे गहरा विरोधाभास भी उजागर होता है। हमारे निर्णय अक्सर बीमारी की गंभीरता नहीं, बल्कि मरीजों की संख्या देखकर लिए जाते हैं। कैंसर के बढ़ते मामलों ने कुछ जीवनरक्षक दवाओं को निःशुल्क या रियायती दर पर उपलब्ध कराने की राह अवश्य खोली है, लेकिन यह व्यवस्था अब भी सीमित है। दूसरी ओर, दुर्लभ बीमारियों में मरीज कम होने के कारण सहायता भी सीमित कर दी जाती है। मानो कम लोगों की पीड़ा का मूल्य भी कम हो, जबकि मृत्यु कभी बहुमत और अल्पमत में भेद नहीं करती। इलाज की परीक्षा अस्पताल से बाहर शुरू होती है, जब दवाओं का खर्च वर्षों तक परिवार का पीछा नहीं छोड़ता। कैंसर का उपचार ऑपरेशन या कीमोथेरेपी तक सीमित नहीं रहता। बीमारी का पता देर से चलता है, उपचार लंबा खिंचता है और नई पीढ़ी की प्रभावी दवाएँ इतनी महँगी होती हैं कि मध्यम वर्ग कुछ महीनों में आर्थिक रूप से बिखर जाता है। दुर्लभ बीमारियों में संकट कठोर होता है। सरकारी नीति के तहत प्रति मरीज 50 लाख तक सहायता मिलती है। शुरूआती राहत मिलती है, लेकिन कई बीमारियों में सालाना खर्च अधिक और दवा की जरूरत लगातार रहती है। उपचार टूटते ही मरीज फिर संकट में खड़ा हो जाता है। योजनाओं की प्रभावशीलता वहीं समाप्त होती है जहाँ उपचार का खर्च असाधारण हो जाता है। आयुष्मान भारत जैसी योजनाएँ सामान्य चिकित्सा प्रक्रियाओं में उपयोगी हैं, पर अत्यधिक महँगी व लंबी अवधि की जीवनरक्षक दवाओं का खर्च नहीं उठा पातीं। दुर्लभ बीमारियों की सहायता योजनाएँ (प्रति मरीज 50 लाख तक) भी उपचार की पूरी अवधि कवर नहीं कर पातीं। कैंसर में नई प्रभावी दवाएँ निःशुल्क उपलब्धता से बाहर हैं। परिणाम–विज्ञान ने इलाज खोज लिया, व्यवस्था उसे लोगों तक नहीं पहुँचा सकी। स्वास्थ्य नीति की अगली दिशा राहत नहीं, बल्कि अधिकार पर आधारित हो। अब उपचार की अवधारणा को अनुदान से अधिकार की ओर ले जाना होगा। पहली आवश्यकता है कि कैंसर और दुर्लभ बीमारियों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर जीवनरक्षक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित हो। सहायता एकमुश्त अनुदान तक सीमित न रहे। बीमारी जितनी अवधि तक उपचार चाहती है, उतनी अवधि तक दवा उपलब्ध कराना व्यवस्था का दायित्व हो। निःशुल्क या अत्यंत रियायती दवा सरकारी कृपा नहीं, बल्कि नागरिक अधिकार बने। समाधान की अगली कड़ी दवाओं की खरीद और उत्पादन व्यवस्था में बदलाव से जुड़ी है। इस परिवर्तन का दूसरा आधार केंद्रीय स्तर पर दवाओं की थोक खरीद हो सकता है। सरकार यदि बड़े पैमाने पर खरीद करे, तो कीमतों पर नियंत्रण आसान होगा। इसके साथ ही आवश्यक जीवनरक्षक दवाओं के घरेलू विनिर्माण को गति देनी होगी। जितनी शीघ्र इन दवाओं का उत्पादन देश में बढ़ेगा, उतनी ही जल्दी आयात पर निर्भरता घटेगी, कीमतें कम होंगी और आपूर्ति स्थिर होगी। स्वास्थ्य व्यवस्था तभी प्रभावी मानी जाएगी, जब उपचार दवा से आगे बढ़कर पूरी चिकित्सा प्रक्रिया को समेटे। उपचार का अर्थ केवल दवा उपलब्ध करा देना नहीं है। समय पर निदान और विशेषज्ञ चिकित्सा संस्थान भी उतने ही आवश्यक हैं। इसलिए कैंसर के लिए क्षेत्रीय उत्कृष्टता केंद्रों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए। दुर्लभ बीमारियों के लिए अभी 15 उत्कृष्ट केंद्र चल रहे हैं, फिर भी हर बड़े राज्य में पूर्ण सुविधाओं वाले विशेष उपचार केंद्र बनाए जाएँ, ताकि मरीज केवल कुछ महानगरों पर निर्भर न रहें। सफल व्यवस्था के लिए संसाधनों के साथ जिम्मेदारियों का स्पष्ट विभाजन भी अनिवार्य है। महँगी दवाओं की खरीद, अनुसंधान और राष्ट्रीय नीति का दायित्व केंद्र सरकार उठाए, जबकि वितरण, उपचार की निरंतर निगरानी और अनुवर्ती देखभाल की जिम्मेदारी राज्यों के पास हो। जब उत्तरदायित्व स्पष्ट होंगे, तभी मरीज विभागों और कागजी प्रक्रियाओं में उलझने के बजाय उपचार पर ध्यान दे सकेंगे। शासन की सबसे बड़ी परीक्षा सबसे कमजोर नागरिक के प्रति जिम्मेदारी है। यह प्रश्न केवल स्वास्थ्य नहीं, संवेदनशीलता का है। बजट सीमित हो सकता है, लेकिन प्राथमिकताएँ राजनीतिक इच्छाशक्ति तय करती हैं। इसलिए स्वास्थ्य बजट का हिस्सा कैंसर और दुर्लभ बीमारियों के लिए आरक्षित हो। जब रोग सीमाएँ तोड़ देते हैं, शासन भी पुरानी सोच से बँधा नहीं रह सकता। जीवनरक्षक दवा संख्या नहीं, पीड़ा देखकर उपलब्ध कराना ही उस भारत की पहचान बनेगा, जहाँ किसी गरीब की साँस दवा की कीमत से छोटी नहीं होगी।

डीएम जसजीत कौर ने कांवड़ मार्ग का किया निरीक्षण

मेडिकल कैंप को 24 घंटे संचालित रखने के निर्देश, गुलदार प्रभावित क्षेत्रों में वन विभाग को सतर्कता बढ़ाने को कहा

वेलकम इंडिया संवाददाता

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने शनिवार को तहसील एवं विकासखंड नजीबाबाद क्षेत्र में कांवड़ मार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर शिवभक्तों के लिए की गई सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पुलिस चौकी साहनपुर, मोटा महादेव मंदिर, चिड़ियापुर सहित कांवड़ यात्रा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मोटा महादेव मंदिर परिसर में स्वास्थ्य विभाग की ओर से स्थापित मेडिकल कैंप का निरीक्षण किया। उन्होंने वहां उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेडिकल कैंप को 24 घंटे संचालित रखा जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति में शिवभक्तों को तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जा सके।

जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग की ओर से की गई व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया, जिन्हें उन्होंने संतोषजनक पाया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा के दौरान विद्युत व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जाए और किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर उसका तत्काल समाधान कराया जाए। इस दौरान जिलाधिकारी ने कांवड़ियों से मुलाकात कर उन्हें फल वितरित किए और उनकी मंगलमय यात्रा की कामना की। उन्होंने शिवभक्तों के ठहरने, भोजन और पेयजल सहित अन्य व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। मौके पर व्यवस्थाएं सुचारू और संतोषजनक मिलीं। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कांवड़ मार्ग पर मोबाइल शौचालय, स्वच्छ पेयजल, भोजन और अन्य आवश्यक सुविधाएं लगातार उपलब्ध रहें। श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी विभाग अपने स्तर से नियमित निगरानी करते रहें। कांवड़ मार्ग से जुड़े संभावित गुलदार प्रभावित क्षेत्रों को लेकर जिलाधिकारी ने वन विभाग के अधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संवेदनशील क्षेत्रों में वन विभाग की टीमें तैनात रहें और लगातार निगरानी की जाए, ताकि शिवभक्तों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रा की अवधि में आपसी समन्वय बनाए रखते हुए व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करें। किसी भी समस्या की सूचना मिलने पर उसका तत्काल समाधान किया जाए, जिससे शिवभक्तों को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित यात्रा का अनुभव मिल सके। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी नजीबाबाद, एसपी सिटी, खंड विकास अधिकारी नजीबाबाद सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

भारतीय संस्कृति विश्व की प्राचीनतम और जीवंत संस्कृतियों में से एक है: शारदा द्विवेदी

वेलकम इंडिया संवाददाता

चांदपुर। गुलाब सिंह हिन्दू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चान्दपुर-स्याऊ में भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत एक विशेष व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय द्वारा हस्ताक्षरित एमओयू के तहत संपन्न हुआ, जिसमें भारतीय संस्कृति के विविध आयामों और समृद्ध गुरु-शिष्य परंपरा पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में आर.बी.डी. महिला महाविद्यालय, बिजनौर के हिंदी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. शारदा द्विवेदी ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि भारतीय संस्कृति विश्व की प्राचीनतम और जीवंत संस्कृतियों में से एक है, जिसकी नींव गुरु-शिष्य परंपरा पर टिकी है। गुरु केवल ज्ञानदाता ही नहीं, बल्कि शिष्य के चरित्र का निर्माण कर उसे सही दिशा दिखाने का कार्य भी करता है। उन्होंने प्राचीन काल से चली आ रही इस परंपरा के महत्व को रेखांकित करते हुए आधुनिक परिप्रेक्ष्य में इसकी प्रासंगिकता पर बल दिया। इस मौके पर महाविद्यालय की प्राचार्या और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहीं। व्याख्यान के अंत में छात्राओं के प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। व्याख्यानमाला को सफल बनाने में हिंदी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. राम बिलास यादव का विशेष योगदान रहा।

'न्यू लोटस गेमिंग' ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह को कुण्डा पुलिस ने पकडकर किया बडा खुलासा

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। थाना कुण्डा पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर तिलौरी मोड़, शिवपुरम कॉलोनी में ऑनलाइन सट्टेबाजी से संबंधित गतिविधियों की जांच की गई। मौके से अभियुक्त सौरभ सिंह को विभिन्न व्यक्तियों के नाम की पासबुक एवं चेकबुक के साथ पकड़ा गया। पूछताछ में अभियुक्त द्वारा शैलेन्द्र प्रताप सिंह के साथ मिलकर New LOTUS Gaming की ऑनलाइन सट्टेबाजी ब्रांच संचालित करने तथा विभिन्न बैंक खातों के माध्यम से सट्टेबाजी की धनराशि का लेन-देन किए जाने की जानकारी दी गई। पूछताछ में यह भी प्रकाश में आया कि अन्य व्यक्तियों के बैंक खाते कमीशन देकर प्राप्त किए जाते थे तथा उनका उपयोग ऑनलाइन सट्टेबाजी की धनराशि के लेन-देन में किया जाता था। सट्टेबाजी से प्राप्त धनराशि को विभिन्न बैंक खातों में स्थानांतरित कर छिपाने/शोधन का प्रयास किया जाता था। प्रकरण में सौरभ सिंह के साथ शैलेन्द्र प्रताप सिंह, हरिगोविंद सिंह, अनीश एवं नीरज आदि की संलिप्तता के संबंध में जानकारी प्राप्त हुई है। उक्त प्रकरण में थाना कुण्डा पर मु0अ0सं0 307/2026, धारा 319(2)/318(4)/338/336(3)/340(2)/112(2)/ 61(2)/3(5) बीएनएस एवं 66डी आईटी एक्ट के अंतर्गत 05 नामजद एवं अन्य अज्ञात साथियों के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत किया गया है।

धौलाना में प्रताप सिंह चौहान की बढ़ी सक्रियता, कांवड़ यात्रियों का किया सम्मान, कई गांवों से श्रद्धालुओं को किया गया रवाना

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। जनपद हापुड़ की धौलाना विधानसभा सीट (58) में समाजवादी पार्टी के संभावित उम्मीदवार के रूप में प्रताप सिंह चौहान की क्षेत्र में लगातार सक्रियता चर्चा का विषय बनी हुई है। प्रताप सिंह चौहान लगातार गांव-गांव पहुंचकर लोगों से संवाद कर रहे हैं और सामाजिक एवं धार्मिक आयोजनों में बढ़-चढ़कर सहभागिता कर रहे हैं।हाल ही में उन्होंने धौलाना विधानसभा क्षेत्र के चार-पांच गांवों से कांवड़ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं एवं कांवड़ियों को सम्मानित कर उन्हें रवाना किया। इस दौरान उन्होंने कांवड़ियों का स्वागत करते हुए उनकी मंगलमय एवं सुरक्षित यात्रा की कामना की। बड़ी संख्या में ग्रामीणों और श्रद्धालुओं की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम में प्रताप सिंह चौहान का भी सम्मान किया गया।प्रताप सिंह चौहान ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था और श्रद्धा का पर्व है। भगवान शिव के भक्तों की सेवा और उनका सम्मान करना सभी के लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कांवड़ियों से यात्रा के दौरान प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने और शांतिपूर्ण ढंग से यात्रा करने की अपील की।

धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रमों में लगातार मौजूदगीप्रताप सिंह चौहान की क्षेत्र में बढ़ती सक्रियता केवल राजनीतिक कार्यक्रमों तक सीमित नहीं है। वह लगातार धार्मिक, सामाजिक और जनसरोकार से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल होकर क्षेत्र की जनता के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों से मुलाकात करना, उनकी समस्याएं सुनना और सामाजिक आयोजनों में सहभागिता करना उनकी सक्रियता का हिस्सा बन गया है।गांव-गांव जनसंपर्क से बढ़ी चचाएं धौलाना विधानसभा क्षेत्र में प्रताप सिंह चौहान के लगातार जनसंपर्क को लेकर स्थानीय स्तर पर राजनीतिक चचाएं भी तेज हो गई हैं। क्षेत्र के लोगों से सीधे संवाद और विभिन्न सामाजिक आयोजनों में सहभागिता के चलते वह लगातार लोगों के बीच नजर आ रहे हैं। समाजवादी पार्टी की ओर से आगामी चुनाव को लेकर अभी आधिकारिक प्रत्याशी की घोषणा होना बाकी है, लेकिन प्रताप सिंह चौहान की लगातार सक्रियता और जनता के बीच बढ़ती मौजूदगी ने उनकी संभावित दावेदारी को लेकर चचाओं को जरूर हवा दे दी है। आने वाले समय में उनकी यह सक्रियता धौलाना विधानसभा की राजनीति में क्या नया समीकरण बनाती है, इस पर क्षेत्र की जनता और राजनीतिक गलियारों की नजर बनी हुई है।

सपा जिला सचिव व पूर्व प्रधान जगदीश यादव का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

वेलकम इंडिया संवाददाता

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत जिगना परसा के पूर्व प्रधान, वरिष्ठ समाजसेवी और समाजवादी पार्टी के जिला सचिव जगदीश प्रधान का लखनऊ में इलाज के दौरान निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। उनके निधन पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख व विधानसभा प्रभारी उग्रसेन प्रताप सिंह और शोहरतगढ़ वार्ड नंबर 10 के जिला पंचायत सदस्य व समाजसेवी विजय प्रताप सिंह एवं डाक्टर संजीव कुमार गुप्ता ने गहरा दुख व्यक्त किया है। नेताओं ने कहा कि जगदीश प्रधान का सामाजिक क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान था और उनके जाने से समाज को एक अपूरणीय क्षति हुई है।उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है।

छप्पर के नीचे सो रहे बुजुर्ग पर भरभराकर गिरी दीवार, मौत

मलबे में दबे बुजुर्ग को ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद निकाला

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। लालगंज क्षेत्र के मोंठिन गांव में शनिवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में छप्पर के नीचे सो रहे 70 वर्षीय बुजुर्ग की दीवार के मलबे में दबने से मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू करते हुए बुजुर्ग को मलबे से बाहर निकाला और परिजन उन्हें उपचार के लिए अस्पताल लेकर रवाना हुए, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। सीओ कुंडा शिवनारायण वैश्य के अनुसार मोंठिन गांव निवासी नासिर अली (70) पुत्र महबूब अली रोजाना की तरह शनिवार सुबह अपने घर के बाहर बने छप्पर के नीचे सो रहे थे। इसी दौरान अचानक छप्पर के पास की दीवार भरभराकर उनके ऊपर गिर गई। दीवार गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। ग्रामीणों ने देखा कि नासिर अली मलबे के नीचे दबे हुए हैं। लोगों ने बिना देर किए राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने बुजुर्ग को मलबे से बाहर निकाला। हादसे में उनके शरीर पर गंभीर चोटें आई थीं और उनकी हालत बेहद नाजुक थी। परिजन और ग्रामीण आनन-फानन में उन्हें उपचार के लिए अस्पताल लेकर रवाना हुए, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। बुजुर्ग की मौत की खबर गांव पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया। हादसे के बाद गांव में भी शोक का माहौल है। पुलिस ने घटना की जानकारी लेते हुए आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

आर आर पब्लिक स्कूल में हुआ सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

नूरपुर। स्योहारा रोड़ स्थित आर आर पब्लिक स्कूल में अंग्रेजी विषय के लिए सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस सुलेख प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। विजेता प्रतिभागियों को स्कूल के प्रधानाचार्य द्वारा पुरस्कृत किया गया। स्कूल में आयोजित अंग्रेजी विषय की सुलेख प्रतियोगिता में कक्षा एक से कक्षा आठ तक के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। स्कूल की शिक्षिका स्वाति यादव के अनुसार अलग-अलग कक्षाओं के लिए आयोजित की गई सुलेख प्रतियोगिता में कक्षा एक ए में अनन्या त्यागी बी में ध्रुव कुमार सी में परमवीर सिंह कक्षा दो ए में ईशान्वी चौहान बी में बासु सी में शानवी चौहान कक्षा तीन ए में परिधि सिंह बी में अनिरुद्ध सिंह सी में दीक्षित कुमार कक्षा चार ए में आजया बी में प्राकृति त्यागी कक्षा पांच ए में शिवांग यादव बी में शाहनवी कक्षा छः ए में जैविक आर्य बी में मनदीप सिंह कक्षा सात ए में सिद्रा बी में तनिष्का कक्षा आठ ए में कर्णिका राजपूत बी में अक्षा परवीन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी-अपनी कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को स्कूल के। प्रधानाचार्य प्रणय मनु गुप्ता ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस प्रतियोगिता को सफल बनाने में उप प्रधानाचार्य टीकम सिंह, तरूण गर्ग, नरेंद्र सिंह, पूजा चौहान, कपिल कुमार, आशु त्यागी का सहयोग रहा।

जेएमएस ग्रुप में ओरिएंटेशन कम इंडक्शन कार्यक्रम 2K26 का शुभारंभ, प्रो. संजीव कुमार शर्मा ने छात्रों को दिए सफलता के मंत्र

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। जेएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, हापुड़ के तत्वावधान में ओरिएंटेशन श्रृंखला के तृतीय चरण के अंतर्गत बीएससी (बायोलॉजी, मैथ्स, बायोटेक्नोलॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, कंप्यूटर साइंस, होम साइंस एवं एग्रीकल्चर), बीए, बीकॉम तथा बीए एलएलबी प्रोग्राम्स के नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए सात दिवसीय ओरिएंटेशन कम इंडक्शन कार्यक्रम 2K26 का शुभारंभ 6 अगस्त 2026 को किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा, पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी, बिहार तथा चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में राजनीति विज्ञान के पूर्व प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष और इंडियन पॉलिटिकल साइंस एसोसिएशन के महासचिव एवं कोषाध्यक्ष द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर जेएमएस ग्रुप के फाउंडर चेयरमैन राकेश सिंघल, सचिव डॉ. रोहन सिंघल, मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. आयुष सिंघल, महानिदेशक प्रोफेसर डॉ. सुभाष गौतम, जेएमएस वर्ल्ड स्कूल की प्रधानाचार्या डॉ. निधि मलिक, जेएमएस ग्रुप के प्राचार्य डॉ. धीरज सैनी सहित संस्थान के प्राध्यापक एवं स्टाफ मौजूद रहे।संस्थान के फाउंडर चेयरमैन राकेश सिंघल ने नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह समारोह विद्यार्थियों के जीवन में एक नई शुरूआत है, जहां उन्हें अकादमिक शिक्षा के साथ-साथ व्यक्तिगत विकास के लिए भी तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विभिन्न पाठ्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थी जीवन विज्ञान, गणितीय विश्लेषण, तकनीकी शिक्षा, विधि अध्ययन एवं वाणिज्यिक ज्ञान के क्षेत्र में दक्षता हासिल कर सकते हैं। मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में केवल अकादमिक ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि व्यावहारिक सोच, नेतृत्व क्षमता और नैतिक मूल्यों का होना भी आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने माता-पिता एवं शिक्षकों का सदैव सम्मान करने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि माता-पिता और शिक्षक विद्यार्थियों की सफलता की नींव होते हैं। माता-पिता का सम्मान जीवन में धैर्य एवं संस्कार प्रदान करता है, जबकि शिक्षकों का सम्मान ज्ञान और सही मार्गदर्शन प्राप्त करने का माध्यम बनता है। उन्होंने विद्यार्थियों को संदेश दिया कि शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जीवन-मूल्यों, संस्कारों और जिम्मेदारियों से भी जुड़ी हुई है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने करियर में आगे बढ़ते हुए माता-पिता एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया।संस्थान के महानिदेशक प्रोफेसर डॉ. सुभाष गौतम ने सात दिवसीय ओरिएंटेशन कम इंडक्शन कार्यक्रम का स्वागत संबोधन किया। उन्होंने कहा कि बीएससी, बीए, बीकॉम एवं बीए एलएलबी जैसे विविध पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को अलग-अलग क्षेत्रों में दक्षता प्रदान करते हैं। इन विषयों के अध्ययन से विद्यार्थी वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी नवाचार, विधि शिक्षा, वाणिज्य, सामाजिक सुधार एवं प्रशासनिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रोग्राम्स के विभागाध्यक्षों ने पाठ्यक्रम, अकादमिक गतिविधियों, सिलेबस तथा विश्वविद्यालय की मूल्यांकन योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी विद्यार्थियों को दी। परीक्षा प्रभारी एवं एंटी-रैगिंग प्रभारी अंकित नगर ने संस्थान की प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी दी। वहीं ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट हेड पुनीत शर्मा ने संस्थान के प्लेसमेंट रिकॉर्ड तथा विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसरों के संबंध में विस्तार से जानकारी साझा की। कार्यक्रम के समापन पर जेएमएस ग्रुप के प्राचार्य डॉ. धीरज सैनी ने सभी गणमान्य अतिथियों, प्राध्यापकों एवं उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थान के सभी प्राचार्यों, प्राध्यापकों एवं स्टाफ का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन जेएमएस ग्रुप की प्राध्यापिका काजल सिद्धू ने किया।इस अवसर पर संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी पवन शर्मा तथा सांस्कृतिक समिति की अध्यक्ष अंकिता शर्मा का योगदान भी सराहनीय रहा।

जेएमएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की ओर से आयोजित सात दिवसीय ओरिएंटेशन कम इंडक्शन कार्यक्रम का उद्देश्य नवप्रवेशित विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के वातावरण से परिचित कराने के साथ उनके व्यक्तित्व एवं कौशल विकास को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को उनके संबंधित पाठ्यक्रमों की जानकारी देने के साथ संस्थान की शैक्षणिक व्यवस्था, अनुशासन, परीक्षा प्रणाली, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों और रोजगार के अवसरों से भी अवगत कराया जा रहा है। संस्थान प्रबंधन के अनुसार उच्च शिक्षा के दौरान विद्यार्थियों के लिए केवल विषय का ज्ञान हासिल करना ही पर्याप्त नहीं है। उन्हें बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुरूप तकनीकी दक्षता, संवाद कौशल, नेतृत्व क्षमता और निर्णय लेने की योग्यता भी विकसित करनी होगी। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए ओरिएंटेशन कार्यक्रम में विद्यार्थियों को विभिन्न गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को रैगिंग से संबंधित नियमों और संस्थान की आचार संहिता की जानकारी भी दी जा रही है। साथ ही प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट विभाग द्वारा भविष्य में रोजगार और प्रशिक्षण की संभावनाओं के बारे में जानकारी दी जा रही है। संस्थान का मानना है कि करियर की मजबूत नींव विद्यार्थी जीवन के शुरूआती दौर में ही तैयार होती है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य निर्धारित करने, अपनी क्षमताओं को पहचानने और उच्च शिक्षा के दौरान बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करते हैं।

8 करोड़ से अधिक की धनराशि के बाद भी अधूरा विकास, बारिश में ट्रिपाल के सहारे हुआ बुजुर्ग का अंतिम संस्कार

30 साल पुराने श्मशान घाट में आज तक नहीं बना टीन शेड, ग्रामीणों ने उठाए सवाल

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। विकासखंड गोवर्धन की ग्राम पंचायत अड़ींग में विकास कार्यों को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। शुक्रवार को बारिश के बीच एक बुजुर्ग का अंतिम संस्कार ट्रिपाल लगाकर करना पड़ा। करीब तीन दशक पुराने श्मशान घाट में टीन शेड जैसी मूलभूत सुविधा न होने से परिजनों और ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत अड़ींग को विकास कार्यों के लिए 38 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि उपलब्ध कराई जा चुकी है, इसके बावजूद गांव में कई मूलभूत सुविधाएं अधूरी पड़ी हैं। श्मशान घाट जैसी आवश्यक जगह पर भी बारिश और धूप से बचाव के लिए टीन शेड की व्यवस्था नहीं होना विकास कार्यों पर सवाल खड़े करता है। जानकारी के अनुसार, अड़ींग निवासी मंगी ठाकुर (62), पुत्र नेम सिंह, पिछले करीब दो माह से बीमार चल रहे थे। शुक्रवार को बीमारी के चलते उनका निधन हो गया। वह अपने पीछे दो पुत्र और दो पुत्रियों सहित परिवार छोड़ गए हैं। अंतिम संस्कार के समय बारिश शुरू हो गई। श्मशान घाट पर टीन शेड नहीं होने के कारण ग्रामीणों ने ट्रिपाल लगाकर किसी तरह अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी कराई। बारिश के बीच ट्रिपाल के नीचे अंतिम संस्कार करते देख ग्रामीणों में व्यवस्था को लेकर नाराजगी दिखाई दी। ग्रामीणों ने बताया कि अड़ींग ग्राम पंचायत क्षेत्र में विकास के लिए बड़ी धनराशि खर्च होने के दावे किए जाते हैं, लेकिन धरातल पर कई जरूरी सुविधाएं अभी भी लोगों को नहीं मिल पा रही हैं। उन्होंने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से श्मशान घाट पर टीन शेड सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं जल्द उपलब्ध कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि अंतिम संस्कार जैसी संवेदनशील स्थिति में भी लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जो विकास कार्यों की वास्तविक स्थिति को दशार्ता है।

अड़ींग चौकी प्रभारी का रालोद नेता व ग्रामीणों ने किया सम्मान

पुलिस की कार्यशैली से प्रभावित होकर किया गया स्वागत, क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बेहतर रखने के प्रयासों की सराहना

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/गोवर्धन। थाना गोवर्धन क्षेत्र की अड़ींग चौकी प्रभारी प्रदीप भदौरिया एवं चौकी पर तैनात समस्त पुलिसकर्मियों द्वारा क्षेत्र में लगातार किए जा रहे सराहनीय कार्यों से प्रभावित होकर रालोद के वरिष्ठ नेता कुंवर नरेंद्र सिंह सहित स्थानीय लोगों ने चौकी प्रभारी एवं पुलिसकर्मियों का स्वागत एवं सम्मान किया। इस दौरान रालोद के वरिष्ठ नेता कुंवर नरेंद्र सिंह ने कहा कि अड़ींग चौकी पुलिस द्वारा क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए सक्रियता से कार्य किया जा रहा है। पुलिसकर्मियों की तत्परता और जिम्मेदारीपूर्ण कार्यशैली से क्षेत्र के लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत हुई है। स्थानीय लोगों ने भी चौकी प्रभारी प्रदीप भदौरिया, हेड कांस्टेबल मानवेंद्र सिंह, विजय कुमार, सत्येंद्र कुमार, कांस्टेबल श्याम सुंदर, देवेंद्र सिंह, अमित कुमार एवं उनकी टीम के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस द्वारा क्षेत्र में लगातार गश्त एवं निगरानी के साथ लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुना जा रहा है। स्वागत और सम्मान के दौरान पुलिसकर्मियों का उत्साहवर्धन किया गया। इस अवसर पर रालोद नेता कुंवर नरेंद्र सिंह सहित क्षेत्र के स्थानीय लोग मौजूद रहे।

पेड़ पर लटका मिला अज्ञात युवक का शव

वेलकम इंडिया संचाददाता

मथुरा। थाना फरह क्षेत्र में फतिया गांव के पास हनुमान मंदिर के समीप एक अज्ञात युवक का शव पेड़ पर फंदे से लटका मिला। शव मिलने की सूचना से इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। थाना फरह क्षेत्र की महुअन टोल चौकी के अंतर्गत फतिया गांव के पास शनिवार सुबह ग्रामीणों ने हनुमान मंदिर के समीप एक पेड़ पर युवक का शव लटका देखा। देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।

ग्रामीणों ने तत्काल घटना की सूचना फरह पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया और पंचनामा की कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया, जिसने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। फिलहाल मृतक युवक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के गांवों में युवक की शिनाख्त कराने के साथ-साथ गुमशुदगी के मामलों की भी जानकारी जुटा रही है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

गांव-गांव पहुंचे धनपति वर्मा, किसानों-युवाओं और ग्रामीणों से किया सीधा संवाद

वेलकम इंडिया संचाददाता

पीलीभीत। विधानसभा क्षेत्र 128 बरखेड़ा में शनिवार को समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं अधिवक्ता धनपति वर्मा ने व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। उन्होंने उमरसड़, रमपुरा, उझैनिया, सकतपुर, अमरगंज, शरीफगंज, गायबोझ, लुधपुर, देवीपुरा गोटिया, देवीपुरा, कैम, शिकलापुर, गुर्ज गौटिया, मोहनपुर छोटा, मोहनपुर बड़ा और बिलैया खेड़ा समेत विभिन्न गांवों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं, अपेक्षाओं और क्षेत्रीय मुद्दों की जानकारी ली।

जनसंपर्क के दौरान ग्रामीणों ने शिक्षा, रोजगार, किसानों की समस्याओं, महंगाई, सड़क, बिजली, पानी और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दे उनके सामने रखे। धनपति वर्मा ने ग्रामीणों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए कहा कि जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को समझना और उनके समाधान के लिए लगातार संघर्ष करना ही समाजवादी विचारधारा का मूल उद्देश्य है।

उन्होंने कहा कि गांवों की वास्तविक तस्वीर और लोगों की परेशानियों को कागजों में बैठकर नहीं समझा जा सकता। इसके लिए जनता के बीच जाना, उनसे संवाद करना और उनकी आवाज को मजबूती से उठाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा किसानों, मजदूरों, युवाओं, छात्रों, गरीबों और वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है। सपा नेता ने कहा कि वर्तमान समय में महंगाई और रोजगार की समस्या आम परिवारों के लिए बड़ी चिंता बनी हुई है। किसानों को भी अपनी उपज, लागत और विभिन्न समस्याओं को लेकर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक संगठनों की जिम्मेदारी है कि वे जनता की आवाज को प्रभावी ढंग से शासन-प्रशासन तक पहुंचाएं। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि आने वाले समय में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत किया जाए और प्रत्येक कार्यकर्ता लगातार जनता के संपर्क में रहे। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का लक्ष्य केवल चुनावी गतिविधियों तक सीमित रहना नहीं, बल्कि जनता के सुख-दुख में निरंतर सहभागी बनना है। गांव-गांव हुए इस जनसंपर्क अभियान के दौरान ग्रामीणों और कार्यकताओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। धनपति वर्मा ने कहा कि जनता से सीधा संवाद आगे भी लगातार जारी रहेगा और क्षेत्र की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया जाएगा।

रत्नेश्वर महादेव मंदिर पर हुआ भजन संध्या का भव्य आयोजन

वेलकम इंडिया संचाददाता

मथुरा/छाता। नगर स्थित रत्नेश्वर महादेव पर महिला मंडल द्वारा भजन संध्या का रोजाना आयोजन किया जा रहा है जिसमें दर्जनों महिला भक्तों के द्वारा भजनों के द्वारा भोले बाबा को प्रसन्न किया जाता है। महिला भक्त ललिता शर्मा ने बताया कि सावन मास में भोले की भक्ति की धूम रहती है, महिला भक्त भजनो के द्वारा शिव पार्वती को रिझाती है, आनंद में नृत्य करती है। सावन में तोए रिझाऊंगी भोले में पार्वती के संग' आदि भजनों द्वारा भोलेनाथ को प्रसन्न किया जाता है। उपस्थित महिला भक्तों में सुनीता वार्ष्णेय, कंचन गुप्ता, सीमा गुप्ता, रेखा रानी, नीहारिका कौशिक आदि शिवमय होकर भक्ति भाव से झूमे।

भाकियू चढ़ूनी राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी के खिलाफ आपत्तिजनक सोशल मीडिया सामग्री को लेकर कार्रवाई की मांग

वेलकम इंडिया संचाददाता

मथुरा/बलदेव। भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी के विरुद्ध सोशल मीडिया पर कथित रूप से आपत्तिजनक, अभद्र एवं भ्रामक भाषा के प्रयोग तथा धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने संबंधी मामले को लेकर भाकियू पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्ष संजय पाराशर के नेतृत्व में थाना बलदेव में शिकायत देकर एफआईआर दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग की। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि 'किसान पक्ष भाकियू' नामक फेसबुक पेज पर 08 अगस्त 2026 को एक पोस्ट एवं वीडियो प्रसारित किया गया, जिसमें संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी के विरुद्ध कथित तौर पर अपमानजनक एवं भ्रामक शब्दों का प्रयोग किया गया। शिकायतकर्ता का कहना है कि उक्त सामग्री सोशल मीडिया पर प्रसारित होने से उनकी सार्वजनिक छवि को नुकसान पहुंचने के साथ-साथ सामाजिक एवं धार्मिक भावनाओं पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। भाकियू पदाधिकारियों ने पुलिस से सोशल मीडिया पोस्ट एवं संबंधित वीडियो की जांच कराने, आपत्तिजनक सामग्री को हटवाने तथा दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध प्रचलित कानून के तहत कठोर कार्रवाई करने की मांग की है। इस दौरान मंडल प्रवक्ता गौरव सिंह, सोनवीर तोमर, यशपाल, कैलाश, शशि, राजू, सुखा चौधरी, संतोष सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने मामले की निष्पक्ष जांच कर शीघ्र कार्रवाई की मांग की। जिलाध्यक्ष संजय पाराशर ने कहा कि संगठन किसी भी व्यक्ति के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा अथवा धमकी का समर्थन नहीं करता।

सफाई के बाद बदली नूरी मस्जिद के आसपास की तस्वीर, ग्रामीणों ने सचिव व प्रधान पति को सराहा

पूरनपुर/पीलीभीत (वेलकम इंडिया)। ग्राम पंचायत ढका जमीमा में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में पंचायत स्तर से विशेष तली झाड़ सफाई अभियान चलाया गया। नूरी मस्जिद के आसपास लंबे समय से जमा कूड़े-कचरे, झाड़ियों और गंदगी की सफाई कर सार्वजनिक स्थान को स्वच्छ और व्यवस्थित किया गया। सफाई अभियान शुरू होने के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने राहत की सांस ली और पंचायत के इस प्रयास की सराहना की। सचिव सुबोध कुमार के निर्देश पर सफाई कर्मचारियों की टीम नूरी मस्जिद के पास पहुंची और अभियान चलाकर आसपास के क्षेत्र की गहन सफाई की। इस दौरान सड़क किनारे जमा कूड़ा-कचरा हटाने के साथ ही झाड़ियों की कटाई की गई। नालियों की भी सफाई कर उनमें जमा गंदगी को बाहर निकाला गया, जिससे जलनिकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। काफी समय से गंदगी और झाड़ियों के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। सार्वजनिक स्थान पर सफाई होने के बाद क्षेत्र की तस्वीर बदली नजर आई। अभियान के दौरान ग्रामीण भी मौके पर मौजूद रहे और सफाई कर्मचारियों द्वारा किए जा रहे कार्य को देखा। ग्रामीणों ने कहा कि गांव में स्वच्छता व्यवस्था को लेकर यदि इसी तरह नियमित अभियान चलाए जाएं तो गंदगी, दुर्गंध और जलभराव जैसी समस्याओं पर काफी हद तक अंकुश लगाया जा सकता है।

108वें उर्स-ए-आला हजरत में पूरनपुर से पहुंचा जायरीनों का जत्था, मुल्क में अमन-ओ-अमान की मांगी दुआ

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। बरेली में आयोजित 108वें उर्स-ए-आला हजरत में शनिवार को पूरनपुर, पीलीभीत से जायरीनों का एक बड़ा जत्था पहुंचा। जायरीनों ने उर्स में शिरकत कर दरगाह पर अकीदत के साथ हाजिरी दी और कुल शरीफ की रस्म में शामिल हुए। इस दौरान जनपद पीलीभीत सहित पूरे देश में अमन-ओ-अमान, भाईचारे और खुशहाली की दुआ की गई। पूरनपुर से पहुंचे जायरीनों ने उर्स की विभिन्न रस्मों में हिस्सा लिया। कुल शरीफ के मौके पर सभी जायरीन एक साथ हाथ उठाकर मुल्क की तरक्की, खुशहाली और शांति के लिए दुआ में शामिल हुए। विशेष रूप से जनपद पीलीभीत में आपसी भाईचारा कायम रहने तथा क्षेत्र में अमन-चैन बने रहने की दुआ की गई। जायरीनों ने देश की तरक्की और लोगों की खुशहाली के लिए भी दुआ मांगी। उर्स में बड़ी संख्या में अकीदतमंदों के पहुंचने से माहौल पूरी तरह रूहानी नजर आया। दूर-दराज से आए जायरीन दरगाह पर हाजिरी देकर अपनी मन्नतें मांगते नजर आए। पूरनपुर से पहुंचे लोगों ने भी पूरी अकीदत के साथ दरगाह पर हाजिरी दी और धार्मिक रस्मों में भाग लिया। जायरीनों में हाजी रियाजत नूर खान, फिरासत खान, नईम खान एडवोकेट, मोअज्जम चिश्ती, नावेद खान, फहीम खान सहित बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल रहे। जत्थे में शामिल लोगों ने कहा कि उर्स-ए-आला हजरत में पहुंचकर हाजिरी देना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से आपसी भाईचारे और सौहार्द का संदेश मिलता है। जायरीनों ने उर्स के दौरान सभी लोगों से आपसी प्रेम, सद्भाव और भाईचारा बनाए रखने की अपील की। कुल शरीफ की रस्म के बाद सभी ने देश की एकता, अखंडता और शांति के लिए विशेष दुआ की। इसके साथ ही जनपद पीलीभीत और पूरनपुर क्षेत्र के लोगों के लिए खुशहाली, तरक्की और अमन की दुआ मांगी गई।

पूरनपुर में गरजी सपा की आवाज–अशोक राजा बोले, 2027 में जनता लिखेगी सत्ता परिवर्तन की पटकथा

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। 129 विधानसभा पूरनपुर क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के नेता अशोक राजा ने शनिवार को ग्राम धमार्पुर, दूधिया खुर्द, निजामपुर, मोहनपुर, जपती सहित कई गांवों का दौरा कर ग्रामीणों से जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए उनके समाधान के लिए आवाज उठाने का भरोसा दिलाया।

गांवों में आयोजित बैठकों को संबोधित करते हुए अशोक राजा ने कहा कि वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि मौजूदा भाजपा सरकार में किसान, मजदूर, बेरोजगार और गरीब वर्ग परेशान है। महंगाई और बेरोजगारी ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है, जबकि गरीबों के शोषण की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। अशोक राजा ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में प्रदेश में विकास के अनेक कार्य हुए थे। उन्होंने दावा किया कि समाजवादी पार्टी सभी वर्गों के हितों की बात करती है और पार्टी की सरकार में ही किसानों, मजदूरों, युवाओं तथा गरीबों के हित सुरक्षित रह सकते हैं। उन्होंने पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया। कहा कि क्षेत्र के तमाम गांवों को जोड़ने वाली सड़कें जर्जर हालत में हैं, जिससे ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसानों को उनकी फसलों का पूरा मुआवजा नहीं मिल पा रहा है। वहीं गन्ना किसानों को भुगतान के लिए भी इंतजार करना पड़ रहा है। अशोक राजा ने कहा कि सरकार को किसानों और ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने ग्रामीणों से वर्ष 2027 में बदलाव के लिए समाजवादी पार्टी का साथ देने का आह्वान किया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे और उन्होंने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं से सपा नेता को अवगत कराया। इस दौरान राजू शर्मा, अमित शर्मा, धर्मपाल सिंह, ललित राठौर, मोहित यादव, शालिग्राम भारत की आदि लोग उपस्थित रहे।

कुल शरीफ के साथ उर्स-ए-आला हजरत का समापन, अकीदतमंदों से पटे रहे रास्ते

दोपहर 2:38 बजे अदा हुई कुल शरीफ की रस्म, अमन-चैन और भाईचारे के लिए उठे हजारों हाथ

वेलकम इंडिया संवाददाता

बरेली। उर्स-ए-रजवी के अंतिम दिन शनिवार को बरेली में अकीदतमंदों का सैलाब उमड़ पड़ा। इस्लामिया कॉलेज मैदान से लेकर दरगाह आला हजरत तक प्रमुख मार्गों और आसपास की गलियां जायरीन से खचाखच भरी रहीं। देश के विभिन्न हिस्सों के साथ विदेशों से भी बड़ी संख्या में अकीदतमंद उर्स में शामिल होने पहुंचे। दोपहर 2 बजकर 38 मिनट पर कुल शरीफ की रस्म अदा की गई। इसके साथ ही तीन दिवसीय उर्स-ए-रजवी का समापन हो गया।

कुल शरीफ के दौरान दरगाह और आसपास के क्षेत्र में मौजूद अकीदतमंदों ने हाथ उठाकर देश और दुनिया में अमन-चैन, खुशहाली, भाईचारे और आपसी सौहार्द की दुआ की। इस दौरान माहौल पूरी तरह आध्यात्मिक और भावुक नजर आया। बड़ी संख्या में जायरीन ने कुल शरीफ में शामिल होकर अपनी अकीदत पेश की। उर्स के अंतिम दिन कार्यक्रमों की शुरूआत सुबह छह बजे कुरानख्वानी से हुई। इसके बाद सुबह आठ बजे धार्मिक सभा का आयोजन किया गया। सभा में देश-विदेश से पहुंचे उलमा और सज्जादगान ने लोगों को संबोधित किया तथा धार्मिक एवं सामाजिक विषयों पर मार्गदर्शन दिया। जैसे-जैसे कुल शरीफ का समय नजदीक आता गया, इस्लामिया कॉलेज मैदान, दरगाह आला हजरत और आसपास के इलाकों में अकीदतमंदों की भीड़ बढ़ती चली गई। दरगाह की ओर जाने वाले प्रमुख मार्गों के साथ गलियां भी जायरीनों से भर गईं। बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने के कारण कई मार्गों पर यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हुई। उर्स में शामिल होने के लिए देश के अलग-अलग राज्यों से अकीदतमंद बरेली पहुंचे थे। इसके अलावा विदेशों से भी जायरीन ने शिरकत की। अंतिम दिन कुल शरीफ में शामिल होने के बाद लोगों ने दरगाह पर हाजिरी दी और दुआएं मांगीं। कुल शरीफ के साथ ही तीन दिवसीय उर्स-ए-रजवी का विधिवत समापन हो गया। उर्स के दौरान बरेली में धार्मिक गतिविधियों के साथ बड़ी संख्या में जायरीन की मौजूदगी रही। प्रशासन और संबंधित व्यवस्थाओं की ओर से भीड़ और यातायात को नियंत्रित करने के लिए व्यवस्थाएं की गई थीं।

भाजपा की सबसे बड़ी ताकत हमारे समर्पित कार्यकर्ता हैं: पुष्कर सिंह धामी

मुख्यमंत्री धामी और प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने पदाधिकारियों से किया संवाद, आगामी कार्यक्रमों और संगठन की कार्ययोजना पर चर्चा

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी की गढ़वाल मंडल की संगठनात्मक बैठक शनिवार को देहरादून के रेसकोर्स चौक स्थित अतिथि सामुदायिक भवन में शुरू हुई। बैठक में गढ़वाल मंडल के विभिन्न जिलों के जिला अध्यक्षों और मंडल अध्यक्षों ने हिस्सा लिया। बैठक में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी मौजूद रहे। इस दौरान संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने के साथ आगामी कार्यक्रमों और पार्टी की रणनीति पर विस्तार से मंथन किया जा रहा है। बैठक से पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि भाजपा एक कैडर आधारित पार्टी है और संगठन को लगातार मजबूत करने में इस तरह की बैठकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि पार्टी संगठन और सरकार मिलकर जनता के हित में कार्य कर रहे हैं। सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के साथ संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में पार्टी कार्यकताओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। संगठन के पदाधिकारियों के साथ सीधे संवाद के माध्यम से जमीनी स्तर पर सामने आने वाली समस्याओं, सुझावों और कार्यकताओं के अनुभवों को समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में संगठन को और अधिक सक्रिय, प्रभावी और जनसरोकारों से जोड़ने की दिशा में काम किया जाएगा। वहीं, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करने के साथ आगामी कार्यक्रमों और पार्टी की कार्ययोजना को लेकर पदाधिकारियों से चर्चा करना है। जिला और मंडल स्तर के पदाधिकारियों से सीधे संवाद कर संगठन की स्थिति का आकलन किया जाएगा तथा आगामी गतिविधियों को लेकर रणनीति तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन लगातार विस्तार और मजबूती की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मंडल एवं जिला स्तर पर कार्यकताओं की सक्रियता बढ़ाने, संगठनात्मक कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा सरकार की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाने पर बैठक में विशेष चर्चा की जा रही है। बैठक में गढ़वाल मंडल के विभिन्न जिलों से पहुंचे जिला अध्यक्षों और मंडल अध्यक्षों के साथ संगठन से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया जा रहा है। आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों, पार्टी की गतिविधियों और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने की रणनीति पर भी मंथन होने की संभावना है। मुख्यमंत्री और प्रदेश अध्यक्ष की मौजूदगी में आयोजित इस बैठक को भाजपा की आगामी संगठनात्मक गतिविधियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मोनू हत्याकांड में फरार दो और आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार, सत्यम और शुभम को दबोचा

वेलकम इंडिया/मोहसीन रहमानी

कांधला। थाना क्षेत्र के नाला-ककड़ीपुर रजवाहा पटरी पर युवक मोनू उर्फ गुल्लू की हत्या के मामले में पुलिस ने फरार चल रहे दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने शनिवार को भारसी निवासी सत्यम और नाला गांव निवासी शुभम को गिरफ्तार किया। मामले में पुलिस पहले ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस ने कानूनी कार्रवाई कर आरोपियों को जेल भेज दिया है।थाना क्षेत्र के नाला-ककड़ीपुर रजवाहा पटरी पर विगत एक सप्ताह पूर्व गांव ककड़ीपुर निवासी मोनू उर्फ गुल्लू (22) पुत्र सुरेंद्र का शव पड़ा मिला था। सूचना पर पुलिस, फील्ड यूनिट और पुलिस के उच्चाधिकारी मौके पर पहुंचे थे। घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए गए थे। मृतक के शरीर पर चोट के निशान और सिर में गोली लगने का घाव मिला था।पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। मृतक के पिता सुरेंद्र की तहरीर पर पुलिस नें मुकदमा दर्ज किया था। इसके बाद स्वाट और सर्विलांस टीम तथा कांधला पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में घटना का खुलासा करते हुए उसी दिन कार्तिक और ओमपाल को गिरफ्तार किया गया था। मामला प्रेम प्रसंग का निकला था।पुलिस के अनुसार, घटना में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही थी। इसी क्रम में शनिवार को पुलिस ने सत्यम पुत्र ऋषिपाल निवासी भारसी और शुभम पुत्र सतेंद्र निवासी नाला, थाना को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने बताया कि मामले में चार आरोपियों को जेल भेज दिया है,पुलिस जांच जारी है बाकी जो भी नाम प्रकाश में आएंगे आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

डीबीटी के माध्यम से विभिन्न पेंशन लाभार्थियों को जुलाई माह की पेंशन राशि हस्तांतरित की गयी

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत 9,87,017 पेंशन लाभार्थियों को जुलाई माह की पेंशन के रूप में ₹146.32 करोड़ से अधिक की राशि डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गयी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में हमारी सरकार सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना के साथ उत्तराखंड को सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। हमारा उद्देश्य है कि समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचे और उसे विकास की मुख्यधारा से जोड़ा जाए। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री खजान दास भी उपस्थित रहे।

साइबर ठगी के शिकार पीड़ित के 10 हजार 24 घंटे में वापस

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। साइबर अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत दुधारा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए साइबर ठगी के शिकार एक पीड़ित के खाते से निकाली गई 10 हजार रुपये की पूरी धनराशि महज 24 घंटे के भीतर वापस करा दी। पुलिस की इस कार्रवाई से पीड़ित को बड़ी राहत मिली है। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में साइबर अपराधों की रोकथाम और पीड़ितों को तत्काल राहत दिलाने के लिए चलाए जा रहे क्रैक साइबर क्राइम अभियान के तहत साइबर सेल थाना दुधारा की टीम ने प्रभावी कार्रवाई की। जातेडीहा निवासी जसवंत ने 7 अगस्त 2026 को पुलिस को शिकायत दी थी कि उन्होंने फेसबुक पर मूवी देखने वाले एक एप का विज्ञापन देखा था। विज्ञापन के जरिए उन्होंने एप डाउनलोड किया। इसके बाद एक अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें फोन कर एप चलाने के नाम पर ओटीपी मांगा। पीड़ित द्वारा ओटीपी बताए जाने के कुछ ही देर बाद उनके बैंक खाते से 10 हजार रुपये निकाल लिए गए। शिकायत मिलते ही साइबर हेल्प डेस्क पर तैनात कांस्टेबल अनुज कुमार ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू की। संबंधित बैंक से समन्वय स्थापित कर ठगी की रकम को रोकने और वापस कराने की प्रक्रिया शुरू की गई। पुलिस की त्वरित कार्रवाई के परिणामस्वरूप पीड़ित के खाते में ठगी की पूरी 10 हजार रुपये की धनराशि वापस करा दी गई। कार्रवाई करने वाली टीम में साइबर सेल थाना दुधारा प्रभारी/थानाध्यक्ष अमित कुशवाहा, उपनिरीक्षक अनिल मिश्रा, कांस्टेबल अनुज कुमार, कांस्टेबल ऋषिकेश यादव, रिजर्व कांस्टेबल हर्ष सिंह तथा महिला रिजर्व कांस्टेबल एकता सिंह शामिल रहे। धनराशि वापस मिलने पर पीड़ित जसवंत ने दुधारा पुलिस की त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई के लिए आभार जताया।

बारिश बनी आफत, जड़ से उखड़ा विशाल पेड़

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव जिड़ाना में पिछले तीन दिनों से रुक-रुककर हो रही बारिश के बीच सड़क किनारे खड़ा एक विशाल पेड़ अचानक जड़ से उखड़कर सड़क पर गिर गया। पेड़ गिरने की तेज आवाज से आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि घटना के समय पेड़ के आसपास कोई राहगीर या वाहन नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया।ग्रामीण गुलजार ने बताया कि क्षेत्र में पिछले तीन दिनों से रुक-रुककर बारिश हो रही है। लगातार बारिश के कारण जमीन में नमी बढ़ गई थी। इसी दौरान सड़क किनारे खड़ा काफी पुराना और भारी-भरकम पेड़ अचानक भरभराकर गिर पड़ा। पेड़ गिरने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण अपने घरों से बाहर निकल आए और मौके पर पहुंच गए।ग्रामीणों के अनुसार पेड़ काफी पुराना होने के साथ ही कमजोर हो चुका था। यदि पेड़ गिरने के समय सड़क से कोई राहगीर या वाहन गुजर रहा होता तो हादसा हो सकता था। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से सड़क किनारे खड़े पुराने और जर्जर पेड़ों का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई कराने की मांग की है।

मुख्यमंत्री के प्रोग्राम को लेकर डीएम-एसपी ने किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

स्पोर्ट्स स्टेडियम में सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा, पुलिस बल की पर्याप्त तैनाती के दिए निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के थाना कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम में प्रस्तावित आगमन को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शनिवार को जिलाधिकारी आलोक कुमार और पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा व्यवस्था, प्रवेश एवं निकास मार्गों समेत विभिन्न बिंदुओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी कर ली जाएं और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिया कि असामाजिक तत्वों द्वारा किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को अंजाम देने की आशंका को देखते हुए कार्यक्रम स्थल एवं आसपास के क्षेत्रों में कड़ी निगरानी रखी जाए। इसके लिए वर्दी के साथ-साथ सादे कपड़ों में भी पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई जाए। संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखने के साथ सुरक्षा व्यवस्था को लगातार प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल के आसपास भी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने तथा आने-जाने वाले लोगों की निगरानी सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए गए। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली खलीलाबाद जयप्रकाश दूबे, पुलिस अधीक्षक के जनसंपर्क अधिकारी पी.के. गुप्ता सहित पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

दुधारा थाना में समाधान दिवस का किया गया आयोजन

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। शनिवार को दुधारा थाना परिसर में थानाध्यक्ष अमित कुमार कुशवाहा की अध्यक्षता में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान कुल चार राजस्व के और एक पुलिस से सम्बंधित मामला प्रस्तुत हुआ जिसमें पुलिस के एक मामले का मौके पर निस्तारण किया गया। जबकि राजस्व के किसी मामले का निस्तारण नहीं हो सका। इस मौके पर वरिष्ठ उपनि. उदयशंकर द्विवेदी, उपनि. अभय पाण्डेय, राम सूरत प्रसाद, अनिल प्रकाश पाण्डेय सहित राजस्व कर्मी मौजूद रहे।

कांवड़ यात्रियों की सेवा में आगे आया महादेव मारूफ शिवाला ट्रस्ट

वेलकम इंडिया संवाददाता

कांधला। मंदिर महादेव मारूफ शिवाला कांधला धर्मार्थ ट्रस्ट की ओर से कांवड़ यात्रियों की सेवार्थ शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे कांवड़ियों को पानी, फल एवं चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।कांवड़ यात्रा के दौरान इस बार बच्चों और महिलाओं की संख्या भी काफी अधिक दिखाई दे रही है। शिविर में पानीपत से पहुंचे बाल कांवड़िये अभिषेक आकर्षण का केंद्र रहे। छोटी सी उम्र में कई कलश गंगाजल से भरी कांवड़ लेकर यात्रा कर रहे अभिषेक को देखकर लोग उत्साहित नजर आए।मंदिर ट्रस्ट की ओर से शिविर में आने वाले बाल कांवड़ियों को बैटरी से चलने वाले तथा यूएसबी केबल से चार्ज होने वाले हाथ के पंखे भेंट किए गए। इस दौरान एक बाल कांवड़िये ने अपनी छोटी बहन के लिए भी ट्रस्ट से पंखा लिया। भाई द्वारा अपनी बहन के लिए दिखाई गई इस भावना ने शिविर में मौजूद लोगों का ध्यान आकर्षित किया और भाई-बहन के प्रेम की मिसाल पेश की।शिविर में गोहाना, पानीपत और सोनीपत से आने वाले कांवड़ियों की संख्या सबसे अधिक रही। कांवड़ यात्रियों ने ट्रस्ट की ओर से की गई सेवा की सराहना की।सेवा में मंदिर ट्रस्ट की अध्यक्ष शालिनी कौशिक एडवोकेट, महासचिव डा. शिखा कौशिक, विकास खंड कैराना से प्रेम कुमार एवं सुरेंद्र कुमार तथा पुलिस का सहयोग रहा।

गुमशुदा आशु निषाद बदलेपुर मोड़ से सकुशल बरामद, परिजनों ने ली राहत की सांस

वेलकम इंडिया/फतेह खान

अयोध्या। जनपद अयोध्या के बाबा बाजार थाना क्षेत्र के ग्राम पूरे बैंशन, पोस्ट कसारी निवासी 12 वर्षीय आशु निषाद, पुत्र श्यामू निषाद, शनिवार सुबह करीब 8:30 बजे घर से स्कूल जाने के लिए निकला था। इसके बाद वह स्कूल नहीं पहुंचा और लापता हो गया था। सूचना मिलने के बाद पुलिस, परिजन और स्थानीय लोग उसकी तलाश में जुट गए। पुलिस की सक्रियता से आशु निषाद को बदलेपुर मोड़ से सकुशल बरामद कर लिया गया। बालक के सकुशल मिलने की सूचना मिलते ही परिजनों ने राहत की सांस ली और परिवार में खुशी का माहौल हो गया। बाबा बाजार थानाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार आजाद ने बालक के सकुशल मिलने की पुष्टि की। वहीं मां कामाख्या धाम चौकी प्रभारी हर्षित मिश्रा ने बताया कि आशु निषाद को बदलेपुर मोड़ से सकुशल बरामद कर आवश्यक कार्रवाई के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।आशु के लापता होने की सूचना के बाद पुलिस के साथ ही परिजन और स्थानीय लोग उसकी तलाश में जुटे हुए थे।

कांवड़ियों की सेवा कर पेश की गंगा-जमुनी तहजीब की मिसाल

एडवोकेट नावेद जंग और तहसीलदार अर्जुन चौहान ने कांवड़ियों को कराया जलपान, पुष्पवर्षा कर किया स्वागत

वेलकम इंडिया/मोहसीन रहमानी

कांधला। पवित्र कांवड़ यात्रा के दौरान क्षेत्र में गंगा-जमुनी तहजीब और सामाजिक सौहार्द की मिसाल देखने को मिली। हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर जा रहे शिवभक्त कांवड़ियों की सेवा के लिए लगाए गए शिविर में एडवोकेट नावेद जंग और तहसीलदार अर्जुन चौहान ने पहुंचकर कांवड़ियों का स्वागत किया। उन्होंने अपने हाथों से कांवड़ियों को जलपान कराया और पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया।

शिविर में कांवड़ियों की सुविधा के लिए शीतल पेयजल, शिकंजी, ताजे फल और अल्पाहार की व्यवस्था की गई थी। लंबी दूरी की पैदल यात्रा कर पहुंच रहे कांवड़ियों ने शिविर में कुछ देर विश्राम किया और जलपान किया। सेवा में जुटे लोगों ने कांवड़ियों को फल और शीतल पेय वितरित किए।इस अवसर पर एडवोकेट नावेद जंग ने कहा कि धार्मिक यात्राओं पर निकले श्रद्धालुओं की सेवा करना मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी का हिस्सा है। ऐसे सेवा कार्यों से समाज में आपसी भाईचारा, प्रेम और विश्वास मजबूत होता है। इस दौरान कार्यक्रम में पुलिस प्रशासन एवं नगर के दर्जनों समाज सेवी मौजूद रहे।

साध्वी और संतों ने की शिवभक्तों पर पुष्प वर्षा, शिवमय हुआ महौल

नगर निगम द्वारा आयोजित कार्यक्रम में महापौर और पार्षदों ने भी की पुष्प वर्षा

वेलकम इंडिया संवाददाता

सहारनपुर। नगर निगम के कांवड़ व्यवस्था शिविर के मंच से आज शहर के साधु-संतों एवं आचार्यो ने हरिद्वार से पावन गंगाजल लेकर अपने गंतव्यों को जा रहे शिवभक्तों पर 'बोल बम', 'हर-हर महादेव' के घोष और वेद मंत्रोच्चार के बीच पुष्प वर्षा की। मंत्रोच्चारण पं. योगेश जिज्ञासु ने किया। महापौर डॉ. अजय कुमार ने सभी संतों की चरणवंदना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। नगर निगम की ओर से साधु संतों द्वारा कांवड़ ले जा रहे शिवभक्तों पर पुष्प वर्षा का कार्यक्रम अनूठा, भव्य और दिव्य रहा। जब संतों और आचार्यो ने शिवभक्तों पर पुष्प वर्षा की तो पूरा माहौल शिवमय हो उठा। महापौर ने कहा कि यह पर्व हमारी उस चेतना का प्रतीक है जो हजारों वर्षो से हमें यह आभास कराती रही है कि शिव शाश्वत है, सत्य है और सुंदर है। साध्वी सुदीक्षा देवी, पं. राघवेंद्र स्वामी और पं. अरुण शांडिल्य ने भी संबोधित करते हुए कांवड़ यात्रा के महत्व पर प्रकाश डाला और सभी को मंगलकामनाएं दी। जिन साधु-संतों एवं आचार्यो ने शिवभक्तों पर पुष्प वर्षा की उनमें महापौर डॉ. अजय कुमार के अलावा साध्वी देवी सुदीक्षा सरस्वती, साध्वी सौम्या सरस्वती, साध्वी सुमिक्षा सरस्वती, पं. राघवेंद्र स्वामी, पं.राजकुमार भारद्वाज, आचार्य रामप्रसाद, महंत नीलकण्ठ शर्मा, पं.अरुण कोडिल्य, पं.सुमित भारद्वाज, पं. योगेश जिज्ञासु, पं. राजीव वशिष्ठ, पं.दीपक अग्निहोत्री, पं. मुरारी झा, पं. शिवमदेव वशिष्ठ, पं. जितेंद्र शांडिल्य, प. सुनील वशिष्ठ, पं. अभिषेक कृष्णात्रेय, पं.प्रगीत कौशिक, पं. तिलकराज पाराशर, पं. मोहित वत्स, पं. अनिल कोदण्ड, पं.प्रतीक पाराशर, प. धीरज भारद्वाज, पं. सागर वसिष्ठ, पं. गोपाल कृष्ण, पं. बाबा गोपालदास, पं.राकेश वसिष्ठ, प.गुलशन पाराशर, पं.धीरज भारद्वाज, पं. ओंकार चूड़ामणि, प,.शैलेंद्र कपिल, पं.मनमोहन कौशल, पं. अंकित शर्मा, पं. राघव भारद्वाज, पं. सुनील कौशल सहित अनेक आचार्य तथा पार्षदगण व शहर के गणमान्य लोग शामिल रहे। इस अवसर पर नगर निगम की ओर से महापौर डॉ. अजय कुमार व पार्षदों ने सभी संतो को तुलसा का पौधा और गोमय उत्पाद का उपहानर भेंट किया। कार्यक्रम में अपर नगरायुक्त प्रदीप यादव व नोडल अधिकारी और अपर नगरायुक्त मृत्युंजय, सहायक नगरायुक्त जे पी यादव, महाप्रबंध जल पुरुषोत्तम कुमार, बड़ी संख्या में पार्षदगण के अलावा कांवड़ संघ के अध्यक्ष संजय फुटेला, कांवड़ शिविर संचालक दिनेश सेठी व राजकुमार मक्कड़ सहित बड़ी संख्या में शहर के लोग शामिल रहे।

कैलाशपुर विद्युत उपखंड कार्यालय पर कांवड़ शिविर का हुआ शुभारंभ

बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने लिया शिवभक्त कांवडियों की सेवा का संकल्प

वेलकम इंडिया संवाददाता

गागलहेड़ी। श्रावण मास में हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर अपने-अपने गंतव्यों की ओर लौट रहे शिवभक्त कांवड़ियों की सेवा के लिए कैलाशपुर स्थित विद्युत उपखंड कार्यालय परिसर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कांवड़ शिविर का विधिवत शुभारंभ किया गया। शिविर का शुभारंभ पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इस दौरान विद्युत विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने कांवड़ियों की सेवा एवं सुविधा का संकल्प लिया।

उपखंड अधिकारी अंकित त्यागी ने शिवभक्त कांवड़ियों का स्वागत करते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्तों की सेवा करना पुण्य का कार्य है। उन्होंने कहा कि हरिद्वार से गंगाजल लेकर सहारनपुर, हरियाणा, पंजाब सहित विभिन्न राज्यों की ओर जाने वाले कांवड़िये इस मार्ग से होकर गुजरते हैं। ऐसे में उनकी सुविधा के लिए शिविर में बेहतर व्यवस्थाएं उपलब्ध कराना विभाग की जिम्मेदारी है।

कांवड़ शिविर में शिवभक्तों के ठहरने के साथ भोजन, स्नान और आराम की विशेष व्यवस्था की गई है। इसके अलावा कांवड़ियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए पेयजल सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं का भी ध्यान रखा गया है।

एसडीओ अंकित त्यागी ने कहा कि विद्युत विभाग अपनी नियमित जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के साथ-साथ कांवड़ियों की सेवा में भी योगदान दे रहा है। उन्होंने विभागीय कर्मचारियों से शिविर में आने वाले प्रत्येक शिवभक्त की आवश्यकतानुसार मदद करने और व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था और भक्ति का पर्व है। दूर-दराज से पैदल चलकर आने वाले शिवभक्तों को विश्राम और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। विद्युत विभाग की ओर से हर संभव सहयोग किया जाएगा।

टप्पेबाजी कर एटीएम बदल ठगी करने वाला अभियुक्त चढ़ा पुलिस के हत्थे

वेलकम इंडिया/फतेह खान

शुजागंज अयोध्या। कोतवाली रूदौली पुलिस ने लोगों से टप्पेबाजी कर उनका एटीएम बदल ठगी करने वाले एक अभियुक्त को बिगिनिया पुल से थोड़ा पहले दौदापुर गांव के पास से गिरफ्तार कर लिया गिरफ्तार किए गए अभियुक्त के पास से सीज शुदा अपाचे बाइक, विवो कंपनी का मोबाइल फोन, विभिन्न बैंकों के 19 एटीएम कार्ड, जालसाजी के 28500 रुपए बरामद किए गए अभियुक्त के विरुद्ध कार्यवाही की जा रही है। जानकारी के अनुसार कोतवाली रुदौली क्षेत्र की पुलिस ने अपराधियों पर नियंत्रण हेतु अभियान चला रही थी तभी प्रभारी निरीक्षक रुदौली संजय मौर्य उपनिरीक्षक जितेन्द्र सिंह हेड कांस्टेबल आशुतोष सरोज कांस्टेबल आयुष सैनी अनिल कुमार के साथ बिगिनिया पुल से थोड़ा पहले दौदापुर गांव के पास पहुंच लोगों से टप्पेबाजी कर उनका एटीएम बदल हाकी करने वाला अभियुक्त फरजान पुत्र स्वङ्ग मो उस्मान निवासी किशुनी अमेठी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्त के पास से सीज शुदा अपाचे बाइक संख्या यूपी 36 वि 5401, विवो कंपनी का मोबाइल फोन, विभिन्न बैंकों के 19 एटीएम कार्ड, जालसाजी के 28500 रुपए बरामद किए गए।

'बढ़ते कदम' अभियान से दिव्यांगजनों को मिला आत्मनिर्भरता का संबल

कृत्रिम अंग और सहायक उपकरणों ने जगाई नई उम्मीद, सम्मानजनक जीवन जीने के लिए किया प्रेरित

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। भारत विकास परिषद काशी शाखा की ओर से सेवा एवं संस्कृति सप्ताह–2026 के अंतर्गत भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति, बिरदोपुर में 'बढ़ते कदम– सशक्त और आत्मनिर्भर' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य दिव्यांगजनों के जीवन में आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और सम्मान की भावना को मजबूत करने के साथ समाज में सेवा, सहयोग और समरसता की भावना को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम के दौरान कृत्रिम अंग एवं विभिन्न सहायक उपकरण प्राप्त करने वाले दिव्यांगजनों का उत्साहवर्धन किया गया। उन्हें सम्मानजनक और आत्मनिर्भर जीवन जीने के लिए प्रेरित करते हुए कहा गया कि शारीरिक चुनौतियां किसी व्यक्ति की क्षमता और उसके सपनों की राह में बाधा नहीं बननी चाहिए। उचित सहयोग और अवसर मिलने पर दिव्यांगजन भी समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। शाखा अध्यक्ष सौरभ जैन ने कहा कि दिव्यांगजन केवल संवेदना के पात्र नहीं, बल्कि समाज की सहभागिता और सहयोग के अधिकारी हैं। उनका आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता ही समाज की वास्तविक प्रगति का आधार है। उन्होंने कहा कि समाज को दिव्यांगजनों के प्रति सहायता की भावना के साथ उन्हें समान अवसर उपलब्ध कराने के लिए भी आगे आना चाहिए।

शाखा सचिव प्रो. डॉ. अमित कुमार सिंह ने कहा कि भारत विकास परिषद का उद्देश्य सेवा के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है। उन्होंने कहा कि किसी दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग या सहायक उपकरण उपलब्ध कराना महज एक सुविधा देना नहीं है, बल्कि उसके जीवन में नई आशा, आत्मविश्वास और नए अवसरों का संचार करना है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास दिव्यांगजनों को अपने पैरों पर खड़े होने और समाज में सम्मान के साथ आगे बढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के पर्यवेक्षक भा. प्रद्युम्न शाह रहे। कार्यक्रम का संयोजन भा. प्रवीण सिंह, भा. अल्पना अग्रवाल, भा. नितेश सिंह एवं भा. हिमांशु पसरिचा ने किया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष सौरभ जैन, सचिव प्रो. डॉ. अमित कुमार सिंह, महिला संयोजिका संगीता रस्तोगी, सेवा एवं संस्कृति सप्ताह–2026 की संयोजक रश्मि शाह, संजीव अग्रवाल 'मक्कू' एवं जीवन खन्ना सहित परिषद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

सीआरपीएफ और सृजन सामाजिक विकास न्यास ने चलाया वृहद पौधारोपण अभियान

शिवाजी नगर पार्क को हरा-भरा बनाने के लिए फलदार व फूलदार पौधे लगाए, नशामुक्ति की दिलाई शपथ

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। 95 बटालियन सीआरपीएफ और सृजन सामाजिक विकास न्यास के संयुक्त तत्वावधान में महमूरगंज स्थित शिवाजी नगर पार्क में वृहद पौधारोपण अभियान चलाया गया। 95 बटालियन सीआरपीएफ के कमांडेंट के दिशा-निर्देशन और न्यास के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजसेवियों, स्थानीय लोगों और सीआरपीएफ जवानों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। आयोजन कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव के जन्मदिवस के अवसर पर किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व सृजन सामाजिक विकास न्यास के अध्यक्ष एवं गंगा हरितिमा अभियान उत्तर प्रदेश के ब्रांड एंबेसडर अनिल कुमार सिंह ने किया। मुख्य अतिथि कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने पौधारोपण अभियान में शामिल सभी समाजसेवियों, उपस्थित नागरिकों तथा 95 बटालियन सीआरपीएफ के कमांडेंट आर.एस. बालापुरकर और जवानों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे सामूहिक प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कमांडेंट आर.एस. बालापुरकर ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं है। प्रकृति को समृद्ध और सुरक्षित बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण अभियान से जुड़ना होगा। उन्होंने लोगों से पौधे लगाने के साथ उनकी नियमित देखभाल करने का भी आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि सुगंधा श्रीवास्तव ने कहा कि सभी को प्रकृति के प्रति सजग रहते हुए सकारात्मक सोच के साथ स्वच्छता और पौधारोपण की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और हरा-भरा वातावरण स्वस्थ समाज की बुनियाद है। न्यास के अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने कहा कि शिवाजी नगर पार्क को अधिक सुंदर और हरा-भरा बनाने के उद्देश्य से फलदार पौधों के साथ फूलदार पौधे भी लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि पौधारोपण के साथ पौधों की नियमित देखभाल भी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि लगाए गए पौधे भविष्य में बड़े होकर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे सकें। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को नशामुक्ति अभियान चलाने और समाज को नशे से दूर रखने की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के साथ सामाजिक जागरूकता का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम में प्रवीण कुमार सिंह सहित सैकड़ों समाजसेवियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान शिवाजी नगर पार्क में ही केक काटकर कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी गईं और उन्हें सम्मानित किया गया।

मोहनसराय ट्रांसपोर्ट नगर योजना के स्थायी समाधान का किसानों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव किया पारित

भूमि अर्जन एवं पुनर्वास कानून-2013 के आधार पर समाधान की मांग, मांग पूरी न होने पर 100 किसानों के आमरण अनशन की चेतावनी

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। मोहनसराय ट्रांसपोर्ट नगर योजना से प्रभावित किसानों ने योजना के स्थायी समाधान के लिए भूमि अर्जन, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम-2013 के आधार पर कार्रवाई की मांग की है। बैरवन में स्वामी सहजानंद किसान महासभा के राष्ट्रीय महासचिव एवं किसान नेता विनय शंकर राय ह्यमुन्नाह्ल की अध्यक्षता में आयोजित किसानों की खुली बैठक में इस संबंध में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया। किसानों ने सरकार को अंतिम चेतावनी देते हुए कहा कि यदि उनकी मांग का वैधानिक आधार पर स्थायी समाधान नहीं किया गया तो वाराणसी में व्यापक आंदोलन शुरू किया जाएगा। किसानों ने कहा कि उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली की पहल पर मोहनसराय ट्रांसपोर्ट नगर योजना से जुड़े मामलों के समाधान के लिए आपसी सहमति से प्रक्रिया चल रही है। इसी क्रम में 6 अगस्त को वाराणसी मंडलायुक्त एस. राजलिंगम के कार्यालय में किसानों की बैठक हुई थी। किसानों के अनुसार मंडलायुक्त ने बिना मुआवजा लिए किसानों के मामलों का निस्तारण भूमि अर्जन एवं पुनर्वास कानून-2013 के आधार पर करने के लिए प्रस्ताव मांगा था। किसानों का दावा है कि मंडलायुक्त ने यह भी स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री की ओर से निर्देश है कि जिन किसानों ने मुआवजा नहीं लिया है, उनकी भूमि पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। बैठक में किसानों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर मांग की कि योजना से प्रभावित किसानों के मामलों का स्थायी समाधान कानून-2013 के प्रावधानों के आधार पर किया जाए। साथ ही जिन किसानों ने पूर्व में मुआवजा प्राप्त कर लिया है, उनके मामलों के संबंध में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 31 मई 2023 के आदेश तथा उत्तर प्रदेश शासन के शासनादेश संख्या 2/06/2011 के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की जाए।

किसानों ने मांग की कि इन प्रावधानों के तहत लाभ देकर मोहनसराय ट्रांसपोर्ट नगर योजना से जुड़े सभी मामलों का स्थायी निस्तारण किया जाए। बैठक में किसानों ने कहा कि यदि सरकार और प्रशासन वैधानिक आधार पर समस्या का समाधान करते हैं तो किसान दलगत राजनीति से ऊपर उठकर उनका ऐतिहासिक धन्यवाद समारोह आयोजित कर स्वागत करेंगे। वहीं, यदि किसी दबाव या अन्य कारण से समाधान की प्रक्रिया में दोबारा व्यवधान उत्पन्न किया गया तो किसान आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे। किसान नेता विनय शंकर राय 'मुन्ना' के नेतृत्व में 100 किसानों के एक साथ वाराणसी जिला मुख्यालय पर आमरण अनशन करने की चेतावनी भी दी गई। किसानों ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी राजनीतिक दल का विरोध करना नहीं, बल्कि वर्षों से लंबित समस्या का वैधानिक एवं स्थायी समाधान कराना है। बैठक का संचालन अधिवक्ता उदय पटेल ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन मेवा पटेल ने किया। बैठक में विजय नारायण वर्मा, मेवालाल, राहुल पटेल, रतन पटेल, भोलानाथ, कन्हैया पटेल, रामकिशुन, बिरजू, संतोष, विकास, श्यामलाल, पप्पू पटेल, महेंद्र, सुरेंद्र, रामजी, रामबिलास, राजकुमार, भाईलाल, दिलीप कुमार, रामसजीवन, पारस, शनिदेव, अशोक पटेल, अनिल पटेल, सदानंद, विजई, नंदू, रमेश, बाबूलाल, उदयभान, बिहारी, अनुज, विंदेश्वरी, बाबू पटेल, मुकुंदी, विजय, अवधेश प्रताप, गौरव पटेल, चंदन पटेल, दिनेश पटेल, मदन पटेल, उमाशंकर पटेल, रमाशंकर पटेल, प्रमोद पटेल, रामनारायण पटेल, सुरेश पटेल, विकास पटेल, मदनलाल, सुभाष पटेल, सोमनाथ पटेल, बलराम पटेल, प्रेम पटेल, रवि पटेल, हनुमान पटेल, शुभम पटेल, लक्ष्मीनारायण, विजय पटेल, कल्लू पटेल, सुजीत पटेल, नीतीश पटेल, सोनू पटेल, अजीत पटेल, राजनाथ पटेल, चंदन पटेल, दीपू पटेल, डंगरू पटेल, रघुवर पटेल, राजेंद्र पटेल, नीरज पटेल सहित बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

एमएसएमई के टैक्स ऑडिट में धारा 43बी(एच) और 45 दिन की भुगतान सीमा का रखें विशेष ध्यान : सीए ज्ञान चंद्र मिश्रा

वेलकम इंडिय/ासंतोष कुमार सिंह

वाराणसी। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) से जुड़े कर अनुपालन और वैधानिक लेखा परीक्षण को लेकर चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की। दी इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की नई दिल्ली इकाई के निर्देशन में तथा आईसीएआई वाराणसी शाखा की ओर से शनिवार को मलदहिया स्थित होटल हिंदुस्तान इंटरनेशनल में 'वैधानिक ऑडिट एंड टैक्स अनुपालन फॉर एमएसएमई' विषय पर एक दिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार में एमएसएमई से संबंधित कंपनियों के अधिनियम-2013 के तहत लेखा एवं ऑडिट के हालिया मुद्दों तथा आयकर अधिनियम के तहत टैक्स ऑडिट पर पड़ने वाले प्रभावों पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आईसीएआई की एमएसएमई एवं स्टार्टअप समिति के अध्यक्ष सीए ज्ञान चंद्र मिश्रा तथा पूर्व अध्यक्ष सीए देबाशीष मित्रा मौजूद रहे। प्रथम सत्र में सीए देबाशीष मित्रा ने विषय पर जानकारी दी, जबकि द्वितीय सत्र के वक्ता आईसीएआई एमएसएमई एवं स्टार्टअप समिति के उपाध्यक्ष सीए संजय कुमार अग्रवाल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शाखा के पूर्व अध्यक्ष सीए सुरेंद्र कुमार द्विवेदी एवं वरिष्ठ सीए सतीश चंद्र जैन ने की। संचालन सीए डॉ. स्वाति अग्रवाल और सीए रितिका सर्राफ अग्रवाल ने किया। सीए देबाशीष मित्रा ने कहा कि वर्तमान टैक्स ऑडिट सत्र में एमएसएमई से जुड़े प्रावधानों, विशेष रूप से धारा 43बी(एच) और फॉर्म 3सीबी-3सीडी में रिपोर्टिंग संबंधी आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। ऑडिटर्स को एमएसएमई से संबंधित बकाया देनदारियों की सही पहचान करने के साथ उनके भुगतान की निर्धारित समय-सीमा का भी परीक्षण करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि यह जांचना जरूरी है कि संबंधित आपूर्तिकर्ता सूक्ष्म या लघु उद्यम की श्रेणी में आता है या नहीं और उसके पास वैध उद्यम पंजीकरण है या नहीं। इसके अलावा चालान की तारीख, निर्धारित भुगतान अवधि, वास्तविक भुगतान की तारीख और वित्तीय वर्ष के अंत में बकाया राशि का उचित मिलान किया जाना चाहिए। द्वितीय सत्र में सीए संजय कुमार अग्रवाल ने कहा कि टैक्स ऑडिट रिपोर्ट के क्लॉज 22 और क्लॉज 26 में एमएसएमई से संबंधित जानकारी की रिपोर्टिंग करते समय खातों की पुस्तकों, लेनदार खाता-बही, उद्यम पंजीकरण विवरण और भुगतान अभिलेखों का आपस में मिलान करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि निर्धारित अवधि के बाद बकाया एमएसएमई देनदारियों का धारा 43बी(एच) के तहत कर कटौती पर प्रभाव पड़ सकता है।

उन्होंने व्यवसायियों को सलाह दी कि सभी लेनदारों का एमएसएमई के आधार पर वर्गीकरण कर माइक्रो और स्मॉल इंटरप्राइजेज से संबंधित बकाया राशि की अलग से समीक्षा करें। इससे टैक्स ऑडिट रिपोर्ट में सही और पूर्ण जानकारी प्रस्तुत करने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम के अंत में नए बने चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को सम्मानित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन शाखा सचिव सीए रंजीत कुमार पांडेय एवं सीए नमन कपूर ने किया। इस अवसर पर शाखा उपाध्यक्ष सीए विकास द्विवेदी, शाखा कोषाध्यक्ष एवं सिकासा अध्यक्ष सीए नमन कपूर, पूर्व अध्यक्ष सीए नीरज कुमार सिंह, कार्यकारिणी सदस्य सीए श्रीप्रकाश पांडेय सहित 150 से अधिक सदस्य उपस्थित रहे।

हरिद्वार-दिल्ली मार्ग बना हुआ है शिवमय

कांवड़ियों के विश्राम-गृह बने हुए है प्यार व भक्ति भाव के संगमः बस सभी को एक ही धुन है 'बम भोले बम'

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। इन दिनों हरिद्वार-दिल्ली मार्ग शिवमय बना हुआ है। मुख्य मार्गपर लगे शामियानों के अन्दर चल रहे कांवड़ियों का विश्राम-गृह संगम बना हुआ है और अपनी अलग-अलग ही मिसाल प्रस्तुत कर रहा है। यहां न कोई जात पूछता है न ही पात। बस सभी को एक ही धुन है 'बम भोले बम'।

शिव रात्रि के अवसर पर श्रद्धालु शिव का जलाभिषेक करेंगे। शिव भक्तों की आस्था है कि कांवड़ लाने से मनोकामनाएं पूर्ण होती है। बच्चे, बूढे, जवान और महिलाएं मनुहार मानते है और लम्बी पद यात्रा करके गोमुख व हरिद्वार से कांवड़ में गंगा जल लाते है। शिव कांवड़ सेवा समिति व सेवा संघ के नाम से चल रहे विश्राम गुहों में शिव भक्त कांवड़ियों का तांता लगा हुआ है। शिव भक्त थोडा विश्राम करके अपने गंतव्य की ओर बढ़ जाते है। इंसान के दिलों को जोड़ने वाली यह श्रद्धा की यह परम्परा बहुत प्राचीन है। सावन का महिना आते ही शुरू हो जाती है। पिछले कुछ वर्षो से कांवडत लाने की समर्पित भवना अब ज्यादा लोगों को घर करने लगी है।

मुख्य मार्ग से दिल्ली, हरियाण, राजस्थान, के अलावा मेरठ, गाजियाबाद आस पास क्षेत्रों के लाखों शिव भक्त कांवड़ लेकर आते है। और अपने अपने शिव मन्दिरों में शिव का जलाभिषेक करते है। इसके अलावा पुरा महादेव मेरठ प्राचीन शिव मन्दिर पर भी लाखों शिव भक्त जलाभिषेक करते है। कांवड़ की तीन तरह की धरणाएं है। इनमें एक खड़ी कांवड़ कहलाती है जो पूरी यात्रा में कंधे से नीचे नही उतारी जा सकती। हां इसमें यह जरूर है कि बीच में भोजन व सोने आदि के समय उसे धारण करने वाला अपनी कांवड़ को अन्य किसी साथी या सेवा शिविर में लगें शिव भक्तों के कंधे पर रख सकता है। दूसरी कांवड़ झूला कांवड़ कहलाती है। उसे धरण करने वाला कांवड़ को कभी भी जमीन पर नही टिका सकता पर वह शिविर में बने लकड़ी के झूले, पेड़, खूटी, तार आदि पर लटका सकता है। तीसरी कांवड़ को अधिकाश भक्त ग्रहण करते है। वह बैंकुटी कांवड़ कहलाती है। इसे जब चाहे साफ सुथरी जमीन पर टिकाया जा सकता है।

सामान्यतः कांवड़ यात्री 25 से 30 किलोमीटर की यात्रा रोज करते है। पर कुछ शिव भक्त इससे भी ज्यादा की यात्रा कर लेते हैं। यही नही शिव रात्रि से पहले दिन कुछ शिव भक्त बिना कही रूके 25 से 30 घंटों में डाक कांवड़ लाकर शिव का जलाभिषेक करते है। कुछ वर्षो से 4 से 5 वर्ष वर्ष की उम्र के बच्चे भी छोटी-छोटी कांवड़ के साथ चलते देखे जाने लगे है। कांवड़ लाने के लिए प्रतिवर्ष महिलाओं की संख्या भी बढ़ रही है। पिछले कुछ वर्षो से कुछ युवकों में कांवड़ को अधिकाधिक सजाने की होड़ भी दिखाई देने लगी है। कुछ कांवड़ में बिजली की आकर्षक सजावट एवं बिजली से चलने वाले फुब्बारे भी लगाए जाने लगे है। जिसेके लिए एक जेनरेटर कांवड के साथ रखा जाता है। मोदीनगर मुख्य मार्ग पर कादराबाद, तहसील, गोविन्दपुरी, संतपुरा, हरमुखपुरी, कपडा मिल, अम्बर टाकिज, राज चैपला, मोदी इण्टर कालेज, छतरी वाला शिव मन्दिर, बस स्टैण्ड, रूकमणी मार्केट, तेल मिल, मोदी स्टील, सीकरी बाग, सीकरी कलां, अबुपुर आदि स्थानों पर लगे कांवड़ियों के विश्राम गृह में बैठ कर देखने पर बड़ा ही श्रद्धाभाव दृश्य देखने को मिलता है। जैस ही कांवड़ियां वहा पहुॅते है, विश्राम गृह में सेवा में लगे लोग दौड़ कर उनके चरण र्स्पश करते हुए बम भेले बम की जय व जय भोले की कह कर भाव विहिल हो जात है। फिर उनसे पूछ कर उनकी कांवड़ कैसी है, उसके अनुरूप अनुसरण करते है। खड़ी कांवड़ को पकड़ कर खड़े रहने के लिए वहां भक्तों की एक भीड़ बनी हुई है। जिसमें हर कोई कांवड़ को खड़े-खड़े पकड़ कर रात बिताना चहाता है। प्यार भक्ति भाव का संगम बड़ा ही हृदय स्पर्शी लगता है। सेवा शिविर संचालकों का कहना है कि शिव भक्तों कांवड़ियों की सेवा में भंडारा दिन रात चलता है। कांवडियों की सेवा मे दोनो समय का भोजन, चाय नाश्ता व शीतल पेय जल का इंतजाम हमेशा रहता है। जब उनसे यह पूछा गया कि इस सबक लिए पैसा कहा से आता है, इस पर वह कहते है कि यह सब भक्तों का ही सहयोग है।

निवाड़ी स्थित गंगनहर कांवड़ मार्ग पर पुष्पवर्षा कर किया कांवड़ियों का स्वागत

200 लीटर गंगाजल ला रहे रौनक को किया सम्मानित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। निवाड़ी स्थित गंगनहर कांवड़ मार्ग पर शनिवार को शिवभक्त कांवड़ियों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। वरिष्ठ भाजपा नेता संजय त्यागी ने एसीपी भास्कर वर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल त्यागी और अपने सहयोगियों के साथ कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर उनकी यात्रा की मंगलकामना की। इस दौरान 200 लीटर गंगाजल लेकर अपने गंतव्य गुलधर जा रहे शिवभक्त रौनक त्यागी का फूल मालाओं से स्वागत कर सम्मान चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। संजय त्यागी ने बताया कि निवाड़ी और पतला नगर पंचायत की ओर से गंगनहर कांवड़ मार्ग पर लगाए गए कांवड़ सेवा शिविरों में वे प्रति वर्ष अपने सहयोगियों के साथ एक-एक दिन भंडारे का आयोजन बड़े ही श्रद्धाभाव के साथ करते हैं। इसमें सुबह के नाश्ते से लेकर रात के भोजन तक की पूरी व्यवस्था रहती है। उन्होंने कहा कि शिवभक्तों की सेवा करने से पुण्य और आत्मिक संतोष की अनुभूति होती है तथा धार्मिक सेवा कार्य समाज को जोड़ने का माध्यम भी हैं। संजय त्यागी ने बताया कि शनिवार को निवाड़ी नगर पंचायत के कावड़ सेवा शिविर में उन्होंने भंडारे की सेवाएं दी हैं और रविवार को पतला नगर पंचायत के कावड़ सेवा शिविर में भंडारे की सेवाएं दी जाएगी। इस अवसर पर निवाड़ी नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल त्यागी, राजीव त्यागी, जितेंद्र त्यागी, विवेक त्यागी, रजनीश त्यागी, देवेंद्र त्यागी, अनुज त्यागी, सचिन त्यागी, मनोज त्यागी, देवांश, पूर्व चेयरमैन संजीव त्यागी, लाला इंद्रजीत, कपिल बॉस, अभिषेक त्यागी, राजू गौतम, रविंद्र त्यागी, नितिन त्यागी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

श्रद्धालु महिलाओं ने अपने हाथ से रोटियां बनाकर भोले कांवड़ियों को खिलाई

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। तेल मिल गेट पर शिव कांवड़ सेवा शिविर में श्रद्धालु महिलाओं ने भंडारे में उपस्थित होकर शिव भोले कांवड़ियों के लिए अपने हाथ से रोटियां एवं भोजन बनाकर प्रेम पूर्वक कांवरियों को भोजन परोसा।

समाज सेविका प्रीति गर्ग (गोकुल डेयरी) ने बताया कि गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी कांवड़ सेवा शिविर में श्रद्धालु महिलाओं ने आकर अपनी सेवाए दी और अपने हाथों से रोटियां एवं भोजन बनाकर कांवड़ियों को खिलाया। इस मौके पर प्रीति गर्ग पूजा रीतू मित्तल रजनी अग्रवाल पूनम वशिष्ठ गीता गुप्ता गीता तोमर मंजू नेहरा ज्योति अंजू अनीता गुप्ता रश्मी बिंदल नीता दयाल आदि श्रद्धालु महिलाओं ने कांवड़ सेवा शिविर में अपनी सेवाएं प्रदान की।

डीसीपी, एसीपी, शहर कोतवाल, पुलिस व व्यापारियों ने कांवड़ियों पर बरसाए फूल

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। श्रावण मास की कांवड़ यात्रा के दौरान मोदीनगर बस स्टैंड पर शिवभक्त कांवड़ियों का भव्य स्वागत किया गया। डीसीपी सुरेंद्रनाथ तिवारी एवं एसीपी भास्कर वर्मा के साथ शहर कोतवाल आनंद प्रकाश मिश्रा, पुलिस और व्यापारियों संघ के पदाधिकारियों ने कांवड़ियों पर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। बस स्टैंड पर कांवड़ियों के पहुंचने पर माहौल हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से गूंज उठा। पुलिस अधिकारियों और व्यापारियों ने कांवड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए उन पर फूल बरसाए। इस दौरान श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए विशेष व्यवस्था भी की गई। कार्यक्रम में राजीव सिंघल, देवराज मित्तल, सुरेश गर्ग, अजय माहेश्वरी, मुन्नू अग्रवाल, जसमीत सिंह, दीपक कंसल, सोमेश शर्मा सहित अनेक व्यापारी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों ने कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर भी जायजा लिया। व्यापारियों ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था और श्रद्धा का पर्व है तथा शिवभक्तों का स्वागत करना सभी के लिए गौरव की बात है। कांवड़ियों पर हुई पुष्पवर्षा के दौरान पूरा बस स्टैंड भगवामय नजर आया। स्थानीय लोगों ने भी बड़ी संख्या में पहुंचकर शिवभक्तों का उत्साहवर्धन किया।

गंगनहर पर उमड़ा आस्था का सैलाब, अतुल गर्ग और अजीत पाल त्यागी ने कांवडिय़ों पर बरसाए फूल

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। गंगोत्री, गौमुख और हरिद्वार से पवित्र गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर लौट रहे हजारों कांवडिय़ों का गंगनहर स्थित प्रशासनिक शिविर के पास सांसद अतुल गर्ग और विधायक अजीत पाल त्यागी ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। फूलों की वर्षा के बीच 'हर हर महादेव और 'बम-बम भोले के जयघोष से कांवड़ मार्ग भक्तिमय हो उठा। जनप्रतिनिधियों ने शिवभक्तों से बातचीत कर उनकी यात्रा के बारे में जानकारी ली और सुखद एवं सुरक्षित यात्रा की शुभकामनाएं दीं। सांसद अतुल गर्ग और विधायक अजीत पाल त्यागी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली उत्तर प्रदेश सरकार कांवडिय़ों को बेहतर सुविधाएं और सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह संकल्पित है। राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों से लाखों श्रद्धालु हरिद्वार से गंगाजल लेकर पैदल अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिवभक्तों का यह कठिन पैदल सफर भगवान शिव के प्रति उनकी आस्था, भक्ति और समर्पण का प्रतीक है। विधायक अजीत पाल त्यागी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सीमा से होकर गुजरने वाले श्रद्धालु प्रदेश सरकार की ओर से उपलब्ध कराई जा रही व्यवस्थाओं की सराहना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर वर्ष करोड़ों श्रद्धालु हरिद्वार से कांवड़ लेकर अपने गंतव्य तक पहुंचते हैं। इससे सनातन धर्म के प्रति लोगों की आस्था और मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान प्रशासन की ओर से सुरक्षा, चिकित्सा, पेयजल, विश्राम और अन्य जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। इसका उद्देश्य यही है कि लंबी पैदल यात्रा कर रहे शिवभक्तों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

भगवान भोलेनाथ में आस्था रखते हुए तीन मुस्लिम महिलाएं हरिद्वार से गंगाजल लेकर मोदीनगर पहुंची

मोदीनगर नगर पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली ने किया स्वागत

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। हरिद्वार से गंगा जल लेकर पैदल चलकर गाजियाबाद के मोदीनगर पहुंची जहां पर नगरपालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली ने उन्हें प्रत्येक चिन्ह देकर सम्मानित किया तीनों मुस्लिम महिलाओं की आस्था और उनकी कहानी इस समय लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। महिलाओं का कहना है कि उन्हें भगवान भोलेनाथ पर पूरा विश्वास है और इसी विश्वास के साथ वह अपनी मनोकामना लेकर यह यात्रा कर रही हैं। इन महिलाओं का कहना है कि इंसान की आस्था उसके दिल से होती है और भगवान के सामने अपनी बात रखने के लिए किसी विशेष पहचान की जरूरत नहीं होती। हरिद्वार से गंगाजल लेकर आगे बढ़ती इन महिलाओं को रास्ते में जब लोगों ने देखा तो कई लोगों ने उनसे बातचीत की और उनकी यात्रा के बारे में जानकारी ली।

इनमें राजस्थान की रहने वाली और फिलहाल दिल्ली में रह रही अनीशा बानो भी शामिल हैं। अनीशा बानो ने अपनी जिंदगी से जुड़ी बेहद भावुक कहानी लोगों के सामने रखी। उन्होंने बताया कि उनके पति ने उन्हें छोड़ दिया है और अब उन्होंने दूसरी शादी कर ली है। अनीशा के मुताबिक, उनके दो बच्चे हैं, जो फिलहाल उनके पति के पास हैं। अपने बच्चों से दूर रहने का दर्द अनीशा की बातों में साफ नजर आता है। उन्होंने बताया कि वह अपने दोनों बच्चों को बेहद प्यार करती हैं और उन्हें वापस अपने पास देखना चाहती हैं। इसी उम्मीद को लेकर वह भगवान भोलेनाथ की शरण में पहुंची हैं और हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपनी यात्रा पर निकली हैं।

अनीशा बानो का कहना है कि उन्होंने भगवान भोलेनाथ से अपने दोनों बच्चों को वापस पाने की प्रार्थना की है। उनका विश्वास है कि भोले बाबा उनकी पुकार जरूर सुनेंगे और उनके जीवन में फिर से खुशियां लौटेंगी। पति द्वारा छोड़ दिए जाने और बच्चों से दूर हो जाने के बाद अनीशा के सामने जिंदगी में कई मुश्किलें आईं, लेकिन उन्होंने उम्मीद नहीं छोड़ी। उनका कहना है कि वह भगवान भोलेनाथ से सिर्फ अपने बच्चों को वापस मांग रही हैं। उनके लिए सबसे बड़ी खुशी यही होगी कि उनके दोनों बच्चे फिर से उनके पास आ जाएं और वह एक मां के तौर पर उनके साथ अपना जीवन दोबारा शुरू कर सकें।

सड़क पार कर रहे कांवड़िए को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर, घायल

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। मोदीनगर थाना क्षेत्र में शनिवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया, जिसमें हरिद्वार से जल लेकर लौट रहे एक कांवड़िए को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसा नमो भारत ट्रेन के पिलर नंबर 1334 के पास उस समय हुआ, जब कांवड़िया सड़क पार कर रहा था। घायल कांवड़िए की पहचान राकेश, निवासी बल्लभगढ़ (दिल्ली) के रूप में हुई है। बताया गया कि राकेश 21 कांवड़ियों की टोली के साथ हरिद्वार से जल लेकर बल्लभगढ़ लौट रहे थे। यात्रा के दौरान मोदीनगर पहुंचने पर वह सड़क पार कर रहे थे, तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि राकेश का एक पैर फ्रैक्चर हो गया और शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद अन्य कांवड़ियों और स्थानीय लोगों ने घायल राकेश को एंबुलेंस की मदद से गोविंदपुरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए गाजियाबाद के उच्च चिकित्सा केंद्र में रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मोदीनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी हुई है।

वैशाली में बनेगा भव्य उत्सव भवन, जीडीए ने जारी किया 20.11 करोड़ का टेंडर

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। वैशाली में प्रस्तावित उत्सव भवन के निर्माण की दिशा में गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने बड़ा कदम उठाया है। प्राधिकरण ने भवन के निर्माण, संचालन और अनुरक्षण के लिए करीब 20.11 करोड़ रुपये का टेंडर जारी किया है। परियोजना को 15 वर्ष के लांग टर्म लीज मॉडल पर विकसित किया जाएगा। इसके तैयार होने के बाद शहरवासियों को विवाह, सामाजिक, सांस्कृतिक और सरकारी कार्यक्रमों के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त बहुउद्देश्यीय आयोजन स्थल उपलब्ध होने की उम्मीद है। जीडीए उपाध्यक्ष नन्द किशोर कलाल ने बताया कि चयनित एजेंसी उत्सव भवन का निर्माण करने के साथ ही 15 वर्ष तक उसके संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी भी संभालेगी। वैशाली जैसे विकसित क्षेत्र में इस तरह की सुविधा उपलब्ध होने से लोगों को निजी बैंक्वेट हॉल पर निर्भरता कम होगी। उन्होंने कहा कि परियोजना से नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ प्राधिकरण को भी राजस्व प्राप्त होगा। प्रस्तावित उत्सव भवन को बहुउद्देश्यीय आयोजन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। यहां विवाह समारोहों के साथ सामाजिक, सांस्कृतिक और सरकारी कार्यक्रम आयोजित किए जा सकेंगे। आधुनिक सुविधाओं से युक्त भवन बनने से वैशाली और आसपास के क्षेत्रों के लोगों को एक बेहतर और सुविधाजनक विकल्प मिलेगा।

कांवड़ शिविरों में पहुंचे डीसीपी ग्रामीण, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

श्रद्धालुओं की सुविधाओं, स्वच्छता और सुगम आवागमन को लेकर दिए सख्त निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। शनिवार को पुलिस उपायुक्त ग्रामीण श्री सुरेन्द्र नाथ तिवारी ने लोनी बॉर्डर क्षेत्र में स्थित विभिन्न कांवड़ शिविरों का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिविरों में श्रद्धालुओं के लिए की गई सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसीपी अंकुर विहार तथा थाना प्रभारी लोनी बॉर्डर पुलिस टीम के साथ मौके पर मौजूद रहे। डीसीपी ग्रामीण ने कांवड़ शिविरों में पहुंचकर श्रद्धालुओं के ठहरने, स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने शिविर आयोजकों से व्यवस्थाओं को लेकर बातचीत करते हुए निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और शिविर परिसर में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाए। श्री तिवारी ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रा के दौरान ड्यूटी में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। कांवड़ियों की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और सुगम आवागमन को प्राथमिकता देते हुए पुलिसकर्मी लगातार क्षेत्र में गश्त और निगरानी बनाए रखें। उन्होंने संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने तथा किसी भी अप्रिय स्थिति की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पुलिस अधिकारियों ने शिविर आयोजकों से भी अपील की कि वे प्रशासन द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करें और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक इंतजाम समय से सुनिश्चित रखें। पुलिस प्रशासन की ओर से कांवड़ मार्गों और शिविरों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया गया है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए स्थानीय पुलिस बल को लगातार सतर्क रहने और हर परिस्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं।

हाउस टैक्स वृद्धि पर भड़के व्यापारी, काली पट्टी बांधकर किया प्रदर्शन

तीसरे दिन भी नवयुग मार्केट में धरना जारी, बोले- बढ़ी दरें वापस होने तक जारी रहेगा आंदोलन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। नगर निगम द्वारा हाउस टैक्स में की गई भारी वृद्धि के विरोध में हाउस टैक्स विरोधी संघर्ष समिति के नेतृत्व में नवयुग मार्केट में व्यापारियों का अनिश्चितकालीन धरना तीसरे दिन भी जारी रहा। शुक्रवार को व्यापारियों ने बाजुओं पर काली पट्टी बांधकर नगर निगम के फैसले के खिलाफ विरोध जताया। धरने में बड़ी संख्या में व्यापारी, व्यापार मंडलों, आरडब्ल्यूए और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। व्यापारियों ने कहा कि महंगाई, आर्थिक दबाव, विभिन्न सरकारी शुल्क और बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण व्यापारी वर्ग पहले से ही परेशान है। ऐसे में हाउस टैक्स में भारी वृद्धि से व्यापारियों और आम नागरिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। उन्होंने नगर निगम से बढ़ी हुई दरों को तत्काल वापस लेने तथा पूर्व निर्धारित दरों के आधार पर टैक्स वसूलने की मांग की।

धरने के दौरान व्यापारियों ने काली पट्टी को अत्यधिक हाउस टैक्स वृद्धि के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध का प्रतीक बताया। उनका कहना था कि नई दरें व्यावहारिक और न्यायसंगत नहीं हैं। समिति ने नगर निगम से नई दरों का पुनर्मूल्यांकन कर व्यापारी एवं नागरिक प्रतिनिधियों के साथ वार्ता करने की मांग की।

मांग पूरी नहीं हुई तो आंदोलन होगा तेज

हाउस टैक्स विरोधी संघर्ष समिति ने स्पष्ट किया कि बढ़ा हुआ हाउस टैक्स वापस होने तक आंदोलन जारी रहेगा। समिति ने चेतावनी दी कि मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं हुआ तो शहर के अन्य बाजारों और व्यापारिक संगठनों को भी आंदोलन से जोड़ा जाएगा। तीसरे दिन आरडब्ल्यूए फेडरेशन, विभिन्न व्यापार मंडलों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने धरना स्थल पर पहुंचकर आंदोलन को समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि टैक्स वृद्धि का असर केवल व्यापारियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आम नागरिकों और संपत्ति स्वामियों पर भी पड़ेगा।

धरने में प्रेमचंद गुप्ता, राजकिशोर गुप्ता, गौरव गर्ग, सुभाष गुप्ता, सूरज बतरा, हरविंदर गांधी, नसीम खान, विनय सिंघल, सतीश शर्मा, बिजेंद्र यादव, जाकिर कुरैशी, अभिषेक गर्ग, दिनेश गोयल, अमरीश कुमार त्यागी, प्रभाकर त्यागी, सौरभ गर्ग, पंकज भारद्वाज, सचिन शर्मा, लोकेश बंसल सहित सैकड़ों व्यापारी मौजूद रहे। व्यापारियों ने दो टूक कहा–बढ़ा हुआ हाउस टैक्स वापस होने तक संघर्ष जारी रहेगा।

पूर्व मंत्री एवं राष्ट्रीय परिवर्तन दल अध्यक्ष डी पी यादव ने किया सीए राणा प्रताप की पुस्तक 'बोरो स्मार्ट, ग्रो फास्ट' का विमोचन

वेलकम इंडिया संवाददाता

दिल्ली। कहते हैं कि सपने तो हर एक इंसान देखता है परंतु उन सपनों को पूरा करने की कोशिश कुछ विरले ही करते हैं। जो लोग अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश पूरी ईमानदारी के साथ करते हैं उन्हें सफलता भी अवश्य मिलती है। सीए प्रताप राणा का नाम भी ऐसी ही एक शख्सियत के रूप में देखा जा सकता है जिन्होंने अपने सपने को हकीकत में बदलने के लिए गंभीर प्रयास किए। राणा प्रताप के सपनों को हकीकत में बदलने के गवाह आज उनके सैंकड़ों शुभ चिंतक बने। मौका था उनके द्वारा लिखी पुस्तक, 'बोरो स्मार्ट, ग्रो फास्ट', के विमोचन का। राजधानी दिल्ली के कड़कड़डूमा स्थित पाँच सितारा लीला होटल में आयोजित समारोह में पूर्व मंत्री एवं राष्ट्रीय परिवर्तन दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष डी पी यादव ने सीए राणा प्रताप की पुस्तक का विमोचन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और माँ सरस्वती की स्तुति के साथ हुआ। तत्पश्चात एक शॉर्ट वीडियो फिल्म के माध्यम से सीए राणा प्रताप के विषय में जानकारी दी गई। बिट्टू टिक्की वाले के नाम से अपनी खास पहचान बनाने वाले सती राम यादव (बिट्टू) ने इस अवसर पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि मनुष्य को जीवन में आगे बढ़ने के लिए लोन लेना पड़े तो उसे पीछे नहीं हटना चाहिए क्योंकि बिना लोन लिए बिजनेस में आगे बढ़ना आसान नहीं है। केबीसी में बिहार के एक विजेता का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जीवन में ठोस प्लानिंग भी अत्यंत आवश्यक है क्योंकि बिना किसी ठोस प्लानिंग के 7 करोड़ रुपये जीतने के कुछ समय पश्चात ही वह व्यक्ति 11 हजार रुपये प्रति माह की नौकरी करने पर मजबूर हो गया था।

पूर्व मंत्री एवं राष्ट्रीय परिवर्तन दल अध्यक्ष डी पी यादव ने पुस्तक विमोचन पर राणा प्रताप को शुभकामनाओं के साथ ही सलाह देते हुए कहा कि वो प्रण लें कि जब भी उनकी कलम चलेगी वो गरीबों के बीच से होकर निकलेगी। भारत के ज्यादातर लोग ग्रामीण परिवेश में रहकर अभाव का जीवन जीने पर विवश रहते हैं। ऐसे में हम उनकी बात कर उनके जीवन को बेहतर बनाने का प्रयास कर सकते हैं।

सीए राणा प्रताप इस अवसर पर अपने उदगार व्यक्त करते हुए काफी देर तक भावुक नजर आए। ऐसे में उनकी बड़ी बहन ने स्टेज पर पहुँचकर सीए राणा प्रताप को ढ़ांढस बंधाते हुए कहा कि उन्हें अपने भाई पर गर्व है। राणा प्रताप ने अपनी खास यात्रा के विषय में बात करते हुए कहा कि उन्हें 'काश' शब्द से सबसे अधिक नफरत है। उन्होंने सलाह दी कि 'काश' शब्द को अपने जीवन से निकाल देना चाहिए। ऐसा करने से प्रगति के मार्ग अपने आप ही खुल जाते हैं। इस मौके पर राणा प्रताप के मित्रगण, बीएनआई परिवार के सदस्य सहित काफी संख्या में गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को सफल बनाया।

'शक्ति संवाद' में चमकी नारी शक्ति, हुनर ने बदली जिंदगी की तस्वीर

स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं बनीं आत्मनिर्भर, 8 से 30 हजार रुपये तक कमा रहीं प्रतिमाह

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। डासना पंचायत घर में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) से जुड़ी महिलाओं के साथ 'शक्ति संवाद' कार्यक्रम आयोजित किया गया। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के साथ शासन की महिला एवं बाल कल्याण योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया।

अध्यक्ष ने स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं से सीधा संवाद कर उनके काम, आमदनी और समूह से जुड़ने के बाद जीवन में आए बदलावों की जानकारी ली। महिलाओं ने बताया कि समूह से जुड़ने के बाद उन्हें प्रशिक्षण और आर्थिक सहयोग मिला, जिससे उन्होंने अपने रोजगार शुरू किए और परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में योगदान देने लगीं। टी-शर्ट प्रिंटिंग का काम करने वाली महिलाओं ने बताया कि उन्हें करीब 15 हजार रुपये प्रतिमाह की आय हो रही है। रजिया बैंक सखी के रूप में अब तक करीब 60 स्वयं सहायता समूहों को बैंक ऋण दिलाने में सहयोग कर चुकी हैं। शुभकमल एसएचजी की मीना शर्मा लड्डू गोपाल की ड्रेस बनाकर करीब 30 हजार रुपये प्रतिमाह कमा रही हैं। उनके काम से करीब 10 अन्य महिलाओं को भी रोजगार मिला है।

बेटियों की शिक्षा और सुरक्षा पर जोर

बबीता चौहान ने महिलाओं को बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ और मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना समेत महिला एवं बाल हित से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बेटियों को शिक्षा और सुरक्षित वातावरण देना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने महिलाओं से पात्र बेटियों और बच्चों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता परिवार के साथ पूरे समाज को मजबूत करती है। महिलाओं से अपने स्वास्थ्य और बच्चों के पोषण, शिक्षा एवं सकारात्मक वातावरण पर भी विशेष ध्यान देने की अपील की गई।

मुबारक एसएचजी की रानी सिलाई के काम से करीब 15 हजार रुपये, एकता एसएचजी की नीलम शर्मा कॉस्मेटिक की दुकान से 8 से 10 हजार रुपये और शांति एसएचजी की कमलेश दोना-पत्तल निर्माण से करीब 20 हजार रुपये प्रतिमाह कमा रही हैं। लक्ष्मी एसएचजी की अनीता ने समूह की आर्थिक सहायता से रेडीमेड गारमेंट की दुकान शुरू की है। उनके समूह को राशन कोटे की दुकान भी मिली है। कार्यक्रम के अंत में जिला विकास अधिकारी ने राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं से संवाद और उनकी उपलब्धियों की सराहना से स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को नई ऊर्जा मिली। कार्यक्रम में जिला विकास अधिकारी, जिला समन्वयक-हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन, सेंटर मैनेजर समेत संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

500 का नोट दिखाया, लाखों के जेवर पर किया हाथ साफ

टप्पेबाजी का शिकार हुई बुजुर्ग महिला, साहिबाबाद पुलिस ने महिला समेत दो आरोपियों को दबोचा

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। साहिबाबाद थाना पुलिस ने टप्पेबाजी की घटना का खुलासा करते हुए एक युवक और महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने बुजुर्ग महिला को रुपयों से भरा थैला होने का झांसा देकर विश्वास में लिया और उनके सोने के कुंडल व मंगलसूत्र लेकर फरार हो गए थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ठगी के 4,025 रुपये नकद और वारदात में प्रयुक्त सामान बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, इंदिरा गार्डन, राजेंद्र नगर इंडस्ट्रियल एरिया, मोहन नगर निवासी पंकज कुमार ने 29 जुलाई 2026 को साहिबाबाद थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि उनकी माताजी गुड्डी देवी बाजार में खरीदारी करने गई थीं। शाम करीब चार से छह बजे के बीच लौटते समय एक महिला और युवक ने उन्हें बहला-फुसलाकर अपने पास बुलाया। आरोपियों ने एक थैला दिखाकर उसमें काफी रुपये होने की बात कही। इसके बाद 500 रुपये का नोट दिखाकर उनका विश्वास जीता। बातों में उलझाने के बाद आरोपियों ने बुजुर्ग महिला के पहने हुए आभूषण रूमाल में रखवा लिए। मौका मिलते ही दोनों आरोपी उनके सोने के कुंडल और गले का मंगलसूत्र लेकर फरार हो गए। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। घटना के अनावरण के लिए पुलिस टीम गठित की गई। लगातार सुरागरसी के बाद 7/8 अगस्त की रात मुखबिर की सूचना पर नागद्वारा से राजीव कॉलोनी की ओर जाने वाले रास्ते से पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रवीण उर्फ भाऊ पुत्र भोलाराम और उसकी पत्नी तुलसी (22 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके कब्जे से ठगी के 4,025 रुपये और ठगी में प्रयुक्त सामान बरामद किया। पुलिस आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाने के साथ ही अन्य घटनाओं के संबंध में पूछताछ कर रही है। दोनों के खिलाफ अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

थाईलैंड के मंत्री ने किया आईएचई-2026 का दौरा

डिजाइन, तकनीक और कुलिनरी इनोवेशन ने खींचा ध्यान, भारी बारिश के बावजूद एक्सपो में उमड़ी भीड़

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा (वेलकम इंडिया)। इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल हॉस्पिटैलिटी एक्सपो (आईएचई)-2026 के तीसरे दिन भारी बारिश के बावजूद हॉस्पिटैलिटी उद्योग से जुड़े प्रोफेशनल्स की बड़ी मौजूदगी रही। होटल, रेस्टोरेंट, कैफे, रिसॉर्ट, डिजाइन, आर्किटेक्चर, प्रोक्योरमेंट और फूड सर्विस से जुड़े विशेषज्ञों ने एक्सपो में पहुंचकर नवीनतम उत्पादों, तकनीकों और समाधानों की जानकारी ली। एक्सपो के तीसरे दिन अंतरराष्ट्रीय सहयोग की भी मजबूत झलक देखने को मिली। थाईलैंड के प्रधानमंत्री कार्यालय से संबद्ध मंत्री नपिटॉर्न श्रीसुनपांग अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ आईएचई-2026 पहुंचे। इंडिया एक्सपोजिशन मार्ट लिमिटेड के चेयरमैन डॉ. राकेश कुमार ने थाई प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया। प्रतिनिधिमंडल ने प्रदर्शनी परिसर का दौरा कर हॉस्पिटैलिटी, डिजाइन, तकनीक और नवाचार से जुड़े समाधानों का अवलोकन किया। आईआईआईडी ट्रेड कनेक्ट-2026 के दौरान डिजाइनरों, ब्रांड्स और उद्योग से जुड़े पेशेवरों के बीच कारोबारी संवाद और संभावित सहयोग के अवसरों पर चर्चा हुई। वहीं हॉस्पिटैलिटी डिजाइन संगोष्ठी-2026 में 'ब्रिजिंग द गैप' थीम के तहत डिजाइन, तकनीक, कार्यक्षमता और हॉस्पिटैलिटी संचालन के बदलते स्वरूप पर विशेषज्ञों ने विचार साझा किए। मास्टर बेकर्स चैलेंज इंडिया-2026 का तीसरा संस्करण भी एक्सपो में आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहा। बेकिंग प्रोफेशनल्स ने फुगास, बैगेट, ब्रुशेटा, क्विच और पिज्जा जैसी तैयारियों के जरिए अपनी तकनीकी दक्षता और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। कुलिनरी मास्टरक्लास में शेफ वैभव कौशिक, शेफ भरत अलघ और शेफ नंदलाल ने आधुनिक पाक-कला तकनीकों और अपने अनुभवों को प्रतिभागियों के साथ साझा किया। एक्सपो में हॉस्पिटैलिटी इंटीरियर्स, फूड सर्विस, किचन टेक्नोलॉजी, बेकरी उपकरण, होटल सप्लाइज और नवीन तकनीकी समाधानों से जुड़े उत्पादों ने खासा आकर्षण बटोरा। खरीदारों और निर्णय लेने वाले उद्योग प्रतिनिधियों की सक्रिय मौजूदगी से प्रदर्शकों को सीधे कारोबारी संवाद और संभावित साझेदारी के अवसर मिले। भारी बारिश के बावजूद तीसरे दिन एक्सपो में उमड़ी भीड़ और उद्योग जगत के लोगों की सक्रिय भागीदारी ने आईएचई-2026 के बढ़ते महत्व को रेखांकित किया। आयोजकों के अनुसार, एक्सपो भारतीय हॉस्पिटैलिटी उद्योग के लिए कारोबार, नवाचार, तकनीक और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का महत्वपूर्ण वार्षिक मंच बनता जा रहा है।

पुष्पवर्षा से गूंज उठा कांवड़ मार्ग, शिवभक्तों के स्वागत में उमड़ा जनसैलाब

एसीपी कविनगर की मौजूदगी में पुलिस व स्थानीय लोगों ने कांवड़ियों पर बरसाए फूल

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। सावन की कांवड़ यात्रा के बीच शनिवार को कविनगर क्षेत्र का कांवड़ मार्ग शिवभक्ति से सराबोर नजर आया। सहायक पुलिस आयुक्त कविनगर सिद्धार्थ गौतम के नेतृत्व में पुलिस अधिकारियों, थाना मधुबन बापूधाम पुलिस बल और क्षेत्र के सम्मानित लोगों ने कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं का पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया। फूलों की बारिश के बीच 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

शनिवार, 8 अगस्त को कांवड़ मार्ग पर पुलिस एवं स्थानीय लोग श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए पहुंचे। जैसे ही कांवड़िए मार्ग से गुजरे, उन पर फूल बरसाकर उनका उत्साह बढ़ाया गया। आत्मीय स्वागत से कांवड़ियों के चेहरों पर खुशी दिखाई दी। श्रद्धालुओं ने भी हाथ जोड़कर पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों का अभिवादन किया। इस दौरान सहायक पुलिस आयुक्त सिद्धार्थ गौतम ने कहा कि कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराना पुलिस की प्राथमिकता है। कांवड़ मार्गों पर पुलिस बल की लगातार निगरानी और गश्त जारी है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के साथ उनकी सुविधाओं का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

थाना मधुबन बापूधाम प्रभारी एवं पुलिसकर्मियों ने श्रद्धालुओं से निर्धारित कांवड़ मार्ग का प्रयोग करने और पुलिस-प्रशासन की व्यवस्थाओं में सहयोग करने की अपील की। किसी भी तरह की परेशानी या आपात स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना देने के लिए भी कहा गया। पुलिस और स्थानीय नागरिकों द्वारा कांवड़ियों का किया गया यह स्वागत श्रद्धा, सेवा और सौहार्द का संदेश देता नजर आया। पुष्पवर्षा के बीच जयकारों से गूंजता कांवड़ मार्ग श्रद्धालुओं की आस्था और पुलिस की सेवा भावना का अनूठा संगम बना रहा।

कांवड़ियों की सेवा में खाकी के साथ उतरे सोशल मीडिया स्टार, बांटा पानी-भोजन

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सेवा और सुविधा के लिए कमिश्नरेट गाजियाबाद पुलिस ने शनिवार को अनूठी पहल की। पुलिस ने लोकप्रिय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के साथ मिलकर कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं को पानी, भोजन और आवश्यक वस्तुओं का वितरण किया। पुलिस की इस पहल ने सेवा, सहयोग और सामाजिक सरोकार का संदेश दिया। कार्यक्रम का नेतृत्व सहायक पुलिस आयुक्त वेवसिटी श्रीमती प्रियाश्री पाल ने किया। इस दौरान सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर पंडित गोपाल जी 'श्री श्याम रसोई वाले', जिनके करीब चार लाख फॉलोवर्स हैं, तथा प्रतीक पात्रा जी, जिनके करीब एक करोड़ फॉलोवर्स हैं, सहित अन्य इन्फ्लुएंसर्स मौजूद रहे। सभी ने पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर कांवड़ियों और श्रद्धालुओं को जलपान कराया तथा भोजन और जरूरी सामान वितरित किया। कांवड़ यात्रा के दौरान लंबी दूरी तय कर रहे श्रद्धालुओं के लिए पानी और भोजन की व्यवस्था काफी राहत देने वाली रही। श्रद्धालुओं ने पुलिस एवं इन्फ्लुएंसर्स की इस पहल की सराहना करते हुए आभार जताया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, इस पहल का उद्देश्य कांवड़ियों को यात्रा के दौरान राहत एवं सुविधा उपलब्ध कराने के साथ पुलिस और समाज के बीच सहयोग तथा विश्वास को और मजबूत करना है। इसके अलावा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के माध्यम से सेवा, सद्भाव और सकारात्मक सामाजिक संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना भी कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य रहा। इस दौरान पुलिस ने श्रद्धालुओं से कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में सहयोग करने और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की। पुलिस और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की संयुक्त पहल से कांवड़ मार्ग पर सेवा और सहयोग की मिसाल देखने को मिली। गाजियाबाद पुलिस की इस पहल को श्रद्धालुओं ने खूब सराहा।